Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 89 जयपुर, मंगलवार, 03 सितम्बर 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X9 cm
संजीवनी टुडे

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट गाइडलाइन जारी करेगा: सुझाव मांगे, कहा-

सिर्फ आरोपी होने पर किसी का घर नहीं गिरा सकते, दोषी हो तब भी नहीं

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को देशभर में आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई सिर्फ आरोपी है तो प्रॉपर्टी गिराने की कार्रवाई कैसे की जा सकती है? जस्टिस विश्वनाथन और जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने कहा, ''अगर कोई दोषी भी हो, तब भी ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है।'' सुप्रीम कोर्ट जमीयत-उलेमा-ए-हिंद की याचिका पर सुनवाई कर रही है। इसमें आरोप लगाया गया है कि उक्ष्ट शासित राज्यों में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है और बुलडोजर एक्शन लिया जा रहा है। अब इस केस की सुनवाई 17 सितंबर को होगी। हम यहां अवैध अतिक्रमण के बारे में बात नहीं कर रहे हैं। इस मामले से जुड़ी पार्टियां सुझाव दें। हम पूरे देश के लिए गाइडलाइन जारी कर सकते हैं। जमीयत के वकील फारूक रशीद का कहना है कि अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न करने और उन्हें डराने के लिए राज्य सरकारें घरों और संपत्तियों पर बुलडोजर एक्शन को बढ़ावा दे रही हैं। याचिका में यह भी आरोप है कि सरकारों ने पीड़ितों को अपना बचाव करने का मौका ही नहीं दिया। बल्कि कानूनी प्रक्रिया का इंतजार किए बिना पीड़ितों को तुरंत सजा के तौर पर घरों पर बुलडोजर चला दिया।

जहां पिछले 3 महीने में बुलडोजर एक्शन हुआ

मध्यप्रदेश के छतरपुर में पुलिस पर पथराव के आरोपी की कोठी पर एक्शन मध्यप्रदेश के छतरपुर में 21 अगस्त को कोतवाली थाने पर पथराव के 24 घंटे के भीतर सरकार ने यहां 20 हजार स्क्वायर फीट में बनी 20 करोड़ रुपए की तीन मंजिला हवेली को जमींदोज कर दिया था। जब उनकी हवेली गिराई जा रही थी, तब भी उनके परिवार का कोई सदस्य यहां मौजूद नहीं था। क्क्ष्ट के मुताबिक, चारों भाइयों ने भीड़ को पुलिस पर हमला करने के लिए उकसाया था। राजस्थान के उदयपुर में दो बच्चों में चाकूबाजी के बाद आरोपी के घर चला बुलडोजर उदयपुर के एक सरकारी स्कूल में 10वीं में पढ़ने वाले एक बच्चे ने दूसरे को चाकू मारकर घायल कर दिया था। इसके बाद पूरे शहर में आगजनी और हिंसक प्रदर्शन हुए। 17 अगस्त को आरोपी छात्र के घर पर बुलडोजर एक्शन हुआ था। इससे पहले सरकार के निर्देश पर वन विभाग ने आरोपी के पिता सलीम शेख को अवैध बस्ती में बने मकान को खाली करने का नोटिस दिया था।

राहुल ने बुलडोजर कार्रवाई पर एससी की टिप्पणी को सराहा

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुलडोजर एक्शन मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी की सराहना की। उन्होंने कहा कि मानवता और न्याय को बुलडोजर के नीचे कुचलने वाली भाजपा का संविधान विरोधी चेहरा बेनकाब हो गया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर राहुल ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि इस मामले में कोर्ट निर्देश जारी कर भाजपा सरकारों के लोकतंत्र विरोधी अभियान से जनता की रक्षा करेगा। उन्होंने आगे कहा कि देश बाबा साहब के संविधान से चलेगा, सत्ता की चाबुक से नहीं। दरअसल, सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में देशभर में आरोपियों के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर कोई सिर्फ आरोपी है तो प्रॉपर्टी गिराने की कार्रवाई कैसे की जा सकती है? जस्टिस विश्वनाथन और जस्टिस बीआर गवई की बेंच ने कहा, ''अगर कोई दोषी भी हो, तब भी ऐसी कार्रवाई नहीं की जा सकती है। जून 2024 : उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद और बलिया में 2 आरोपियों की 6 संपत्तियां तोड़ी गईं मुरादाबाद में विवाहिता के अपहरण की कोशिश करने वाले के घर पर बुलडोजर चला था। आरोपी ने अपहरण का विरोध कर रहे महिला के मां-बाप और भाई को गोली मार दी थी। वहीं, बरेली में रोटी के विवाद में युवक की पीट-पीटकर हत्या करने वाले होटल मालिक जीशान का होटल जमींदोज कर दिया गया। सनी का 26 जून को बर्थडे था।

केंद्र सरकार ने गठित किया 23वां लॉ कमीशन

3 साल का कार्यकाल होगा, सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के रिटायर्ड जजअध्यक्ष और सदस्य होंगे

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। 22वें लॉ पैनल का कार्यकाल 31 अगस्त को समाप्त हो गया था। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 23वें लॉ कामीशन ऑफ इंडिया के गठन को मंजूरी दे दी है। इसका कार्यकाल 1 सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2027 तक रहेगा। सोमवार देर रात जारी कानून मंत्रालय के आदेश के मुताबिक, पैनल में एक पूर्णकालिक अध्यक्ष और सदस्य-सचिव सहित चार पूर्णकालिक सदस्य होंगे। इसमें सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज इसके अध्यक्ष और सदस्य होंगे। 22वें लॉ पैनल का कार्यकाल 31 अगस्त को समाप्त हो गया था। सरकार ने 22वें कमीशन का गठन 21 फरवरी 2020 को तीन साल के लिए किया था। जस्टिस अवस्थी ने 9 नवंबर 2022 को अध्यक्ष पद का कार्यभार संभाला। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने फरवरी 2023 में 22वें इसका कार्यकाल बढ़ा दिया था। स्वतंत्रता के बाद भारत में 1955 में पहला लॉ कमीशन स्थापित किया गया था, तब से 22 आयोग का कार्यकाल पूरा हो चुका है। इनका काम जटिल कानूनी मसलों पर सरकार को सलाह देना होता है। 22वें कमीशन ने सरकार को कई मामलों में सुझाव दिए हैं। इसमें वन नेशन-वन इलेक्शन, पॉक्सो एक्ट और ऑनलाइन एफआईआर और यूनिफॉर्म सिविल कोड जैसे मुद्दे शामिल हैं।

यूसीसी को लेकर आयोग की रिपोर्ट अभी तक अधूरी है। वहीं वन नेशन, वन इलेक्शन को लेकर रिपोर्ट तैयार है लेकिन कानून मंत्रालय को जमा करने का इंतजार है। रिटायर्ड जस्टिस ऋतुराज अवस्थी 22वें लॉ कमीशन के अध्यक्ष थे, जिन्हें भ्रष्टाचार विरोधी निगरानी संस्था लोकपाल का सदस्य भी नियुक्त किया गया था। लॉ कमीशन ने 14 जून 2023 को ठएए पर आम लोगों, संगठनों से सुझाव मांगे थे। आयोग का मानना है कि यह मुद्दा देश के हर नागरिक से जुड़ा है, ऐसे में कोई फैसला लेने से पहले उनकी राय जानना जरूरी है। आयोग को 46 लाख से ज्यादा सुझाव मिल थे। तब लॉ कमीशन के चेयरमैन जस्टिस ऋतुराज अवस्थी का भी बयान सामने आया था। उन्होंने कहा था- यूसीसी कोई नया मुद्दा नहीं है। हमने कंसल्टेशन प्रोसेस भी शुरू कर दी है।

बाड़मेर में फाइटर प्लेन मिग-29 क्रैश:

धमाके के साथ आग लगी, हादसे से पहले सुरक्षित दोनों पायलट निकले, सुनसान इलाके में गिरा जेट

■ संजीवनी टुडे

बाड़मेर। बाड़मेर में उत्तरलाई एयरबेस के पास में फाइटर प्लेन क्रैश हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। फाइटर प्लेन में 2 पायलट थे। दोनों ने क्रैश से पहले इजेक्ट (विमान से बाहर निकलना) कर लिया था। जानकारी के अनुसार सोमवार रात करीब 10 बजे फाइटर प्लेन रहवासी ढाणी से दूर जाकर क्रैश हो गया। विमान के क्रैश होने के बाद तेज धमाके के साथ आग लग गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद बाड़मेर कलेक्टर निशांत जैन, एसपी नरेंद्र सिंह मीणा सहित जिले के प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। डिफेंस पीआरओ अजिताभ शर्मा ने बताया कि मिग-29 फाइटर प्लेन क्रैश हुआ है। ग्रामीण नीमराज ने बताया कि हम खाना खाकर घर के बाहर बैठे थे। इसी दौरान तेज धमाका हुआ और धुआं उठने लगा। ऐसा लगा जैसे कि बिजली गिरी हो। इसी दौरान पास की ढाणी से कॉल आया तो हम यहां पहुंचे। यहां देखा तो फाइटर प्लेन था, जिसमें आग लगी हुई थी। ग्रामीणों ने बताया- एक पायलट क्रैश वाली जगह से 1 किलोमीटर पहले ही फाइटर प्लेन से निकल गया था। दूसरा पायलट शहीद हुकम सिंह की ढाणी के पास मिला। दोनों सुरक्षित हैं। प्लेन क्रैश होने के बाद मौके पर आसपास के लोग पहुंच गए। पुलिस-प्रशासन के अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए।

हादसा बाड़मेर उतरलाई एयरबेस के पास हुआ। पायलट सुरक्षित हैं। जिस स्थान पर विमान गिरा, वहां आसपास के लोग जुट गए और वे जलते हुए विमान के मोबाइल से फोटो और वीडियो बनाने लगे। जिस स्थान पर विमान गिरा, वहां आसपास के लोग जुट गए और वे जलते हुए विमान के मोबाइल से फोटो और वीडियो बनाने लगे। जैसलमेर में करीब 5 महीने पहले तेजस फाइटर जेट क्रैश हो गया था। 12 मार्च 2024 को जैसलमेर शहर से 2 किमी दूर जवाहर नगर स्थित भील समाज के हॉस्टल पर जा गिरा। तेजस के क्रैश होने की यह पहली घटना थी। घटना के समय हॉस्टल के कमरे में कोई नहीं होने से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ था। पोकरण में चल रहे युद्धाभ्यास स्थल से करीब 100 किमी दूर यह हादसा जैसलमेर में हुआ था।

प्लेन को आबादी से दूर खेत की तरफ ले गए पायलट

एसपी नरेंद्र सिंह मीणा ने बताया- कलेक्टर का कॉल आया था कि कवास के पास फाइटर प्लेन क्रैश हुआ है। दोनों पायलट सुरक्षित हैं। जहां क्रैश हुआ है, उसके पास आबादी वाला इलाका है। पायलट प्लेन को आबादी से दूर खेत की तरफ ले गए थे। 400 मीटर एरिया को एयरफोर्स ने सीज कर दिया है। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत सेना के बड़े अधिकारी मौजूद थे। करीब 4 महीने पहले जैसलमेर से 30 किमी दूर भारतीय वायुसेना का एक टोही विमान क्रैश हो गया था।

सीबीआई केस में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत का आखिरी दिन

शराब नीति घोटाले पर एजेंसी की चौथी चार्जशीट पर भी सुनवाई करेगा राउज एवेन्यू कोर्ट

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली शराब नीति मामले से जुड़े सीबीआई केस में सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत आज (3 सितंबर) को खत्म हो रही है। उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया जाएगा। 27 अगस्त को केजरीवाल तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश हुए थे। सीबीआई ने 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी की मांग की थी, लेकिन अदालत ने एक हफ्ते ही हिरासत बढ़ाई। इस सुनवाई में कोर्ट ने सीबीआई की तरफ से जारी चौथी सप्लीमेंट्री चार्जशीट पर भी अपना फैसला सुरक्षित रखा था। आज इस मामले पर भी सुनवाई होगी। दिल्ली हाईकोर्ट ने 5 अगस्त को केजरीवाल की सीबीआई की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी थी। साथ ही जमानत के लिए लोअर कोर्ट जाने को कहा था। 23 अगस्त को सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि उन्हें शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और आप विधायक दुर्गेश पाठक पर केस चलाने की मंजूरी मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पूर्व पीए बिभव कुमार को जमानत दे दी।

26 जून को सीबीआई ने केजरीवाल को गिरफ्तार किया था

शराब नीति केस में केजरीवाल के खिलाफ ईडी और सीबीआई का केस चल रहा है। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। हालांकि, इस मामले में उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी है। वहीं सीबीआई केस में वह जेल में बंद हैं। सीबीआई ने 26 जून को शराब नीति केस में भ्रष्टाचार के आरोपों पर केजरीवाल को गिरफ्तार किया था।

केजरीवाल को 12 जुलाई को क्क्केस में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिली थी

सुप्रीम कोर्ट ने क्क्के मनी लॉन्ड्रिंग केस में अरविंद केजरीवाल को 12 जुलाई को जमानत दे दी थी। जमानत देते हुए जस्टिस संजीव खन्ना ने कहा था कि केजरीवाल 90 दिन से जेल में हैं। इसलिए उन्हें रिहा किए जाने का निर्देश देते हैं। हम जानते हैं कि वह चुने हुए नेता हैं और ये उन्हें तय करना है कि वे मुख्यमंत्री बने रहना चाहते हैं या नहीं। जस्टिस खन्ना ने कहा था कि हम ये मामला बड़ी बेंच को ट्रांसफर कर रहे हैं। गिरफ्तारी की पॉलिसी क्या है, इसका आधार क्या है। इसके लिए हमने ऐसे 3 सवाल भी तैयार किए हैं। बड़ी बेंच अगर चाहे तो केजरीवाल की अंतरिम जमानत पर बदलाव कर सकती है।

कनाडा में पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के घर फायरिंग

■ संजीवनी टुडे

गोली चलाता दिखा शूटर, लॉरेंस गैंग ने जिम्मेदारी ली; सलमान के साथ गाने में दिखे थे

जालंधर। कनाडा में पंजाब के फ़ेमस सिंगर अमृतपाल सिंह ढिल्लों उर्फ एपी ढिल्लों के घर पर फायरिंग की गई। घटना रविवार रात की है। खबर और इसके वीडियो अब सामने आए हैं। एपी ढिल्लों का घर वैंकूवर इलाके में है। वायरल वीडियो के अनुसार एक शूटर ने गेट के बाहर से 11 गोलियां चलाईं। उसने काले रंग के कपड़े पहने हुए थे। इसकी जिम्मेदारी लॉरेंस गैंग ने ली है। गैंग के गैंगस्टर रोहित गोदारा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट भी डाली है। 9 अगस्त को सिंगर एपी ढिल्लों का बॉलीवुड स्टार सलमान खान के साथ गाना 'ओल्ड मनी' रिलीज हुआ था। फायरिंग को इसी से जोड़कर देखा जा रहा है। घटना के बाद भारतीय और कनाडाई एजेंसियां अलर्ट हो गई हैं। एजेंसियों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, वारदात को कनाडा में बैठे लॉरेंस गैंग के हैंडलर गोल्डी बराड़ ने खुद ऑपरेट किया। इससे पहले कनाडा में गैंगस्टर सुक्खा दुन्नेके की हत्या करने भी खुद गोल्डी बराड़ गया था। अभी तक की जांच में ये पता चला है कि सिंगर के घर फायरिंग के वक्त गोल्डी गाड़ी में बैठा हुआ था। सिंगर के घर पर फायरिंग करने के बाद लॉरेंस गैंग के कुख्यात गैंगस्टर रोहित गोदारा ने सोशल मीडिया पर पोस्ट डाली। जिसमें लिखा, 'राम राम जी सभी भाइयों को। 1 सितंबर की रात कनाडा में दो जगह पर फायरिंग हुई है। एक विक्टोरिया आइलैंड और वुडब्रिज टोरंटो में। दोनों वारदातों की जिम्मेदारी मैं रोहित गोदारा (लॉरेंस बिश्नोई ग्रुप) लेता हूं। रोहित गोदारा पर 35 से ज्यादा आपराधिक मामले दर्ज हैं। सबसे ज्यादा केस राजस्थान में है। गोदारा के खिलाफ राजस्थान, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और चंडीगढ़ में केस दर्ज हैं। रोहित लॉरेंस गैंग को हर तरह के हथियार मुहैया करवाने की एक अहम कड़ी है। यह बात एजेंसियों और पंजाब पुलिस की जांच में भी सामने आ चुकी है। राजस्थान में 5 दिसंबर, 2023 को हुई राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या की जिम्मेदारी भी रोहित गोदारा ने ली थी। रोहित पर सीकर में गैंगस्टर राजू तेहट की हत्या का भी आरोप है।

आरएसएस बोला- जाति जनगणना को राजनीतिक हथियार न बनाएं

सरकार सिर्फ डेटा के लिए जाति जनगणना कराए, इसका इस्तेमाल समाज की भलाई के लिए हो

■ संजीवनी टुडे

पलक्कड़। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सोमवार को कहा कि जाति आधारित जनगणना लोगों के कल्याण के लिए सही है, लेकिन इसे चुनावों में राजनीतिक हथियार नहीं बनाया जाना चाहिए। सरकार को सिर्फ डेटा के लिए जातिगत जनगणना करवानी चाहिए। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा- हमारे हिंदू समाज में जाति बहुत संवेदनशील मुद्दा है। जनगणना हमारी राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा के लिए अहम है। इसे बहुत गंभीरता के साथ किया जाना चाहिए। किसी जाति या समुदाय की भलाई के लिए भी सरकार को आंकड़ों की जरूरत होती है। ऐसा पहले भी हो चुका है, लेकिन इसे सिर्फ समाज की भलाई के लिए किया जाना चाहिए। इसे चुनावों का पॉलिटिकल टूल न बनाएं। आंबेकर ने कहा- यूनिफॉर्म सिविल कोड मॉडल पहले से ही जनता के बीच है। उत्तराखंड में ठएए को अपनाने से पहले उन्होंने इसे पब्लिक डोमेन में रखा था। इसलिए मुझे लगता है कि उन्हें 2 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए और उन्होंने इस पर चर्चा की। मुझे लगता है कि अब यह पब्लिक डोमेन में है।

कांग्रेस ने कहा- आरएसएस ने खुलकर किया जातिगत जनगणना का विरोध

केरल के पलक्कड़ में 31 अगस्त से चल रही तीन दिन की समन्वय बैठक के आखिरी दिन सुनील आंबेकर ने कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर से रेप-मर्डर, यूनिफॉर्म सिविल कोड और बांग्लादेश में हिंदुओं के हालात पर भी बात की। आंबेकर ने कहा- कोलकाता रेप-मर्डर को दुर्भाग्यपूर्ण घटना बताया। वे बोले- हर कोई इससे चिंतित है। देश में ऐसी घटनाएं बढ़ रही हैं। हमने सरकार की भूमिका, आधिकारिक तंत्र, कानून, सजा पर चर्चा की है। सभी का मानना है कि ऐसे मामलों पर दोबारा विचार करने की जरूरत है, ताकि हम फास्ट ट्रैक जैसी प्रोसेस अपना सकें और पीड़ित को न्याय दिला सकें। जनता को इसका अनुभव है, फिर हम इस पर चर्चा कर सकते हैं। आंबेकर ने बताया कि बैठक के दौरान कई संगठनों ने बांग्लादेश के हालात पर विस्तृत रिपोर्ट पेश की है। बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के बारे में हर कोई चिंतित है। हमने सरकार से वहां के हिंदुओं और दूसरे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा करने के लिए बांग्लादेश सरकार के साथ बातचीत करने का अनुरोध किया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सितंबर 2023 में हुई समन्वय बैठक में भाजपा को संघ ने सलाह दी थी कि विरोधी दलों के गठबंधन से डरने की जरूरत नहीं है, लेकिन लापरवाही से भी काम नहीं चलेगा। इस बैठक की शुरुआत सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ने भारत माता की पूजा से की थी। इस बैठक में संघ के 36 संगठनों के पदाधिकारी शामिल हुए थे।

मणिपुर में दो दिन में दूसरा ड्रोन हमला

एक और महिला घायल; पहले हमले में 2 की मौत और 9 लोग घायल हुए थे

■ संजीवनी टुडे

इंफाल। मणिपुर के इंफाल जिले के पश्चिमी हिस्से में सोमवार को उग्रवादियों ने ड्रोन से हमले किए। इस अटैक में 23 साल की एक महिला घायल हो गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत स्थिर बताई गई है। उग्रवादियों ने सेजम चिरांग गांव पर पहाड़ी की चोटी से अंधाधुंध गोलीबारी भी की, इस पर सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि यह 2 दिन में दूसरा ड्रोन अटैक है। इससे पहले रविवार को ड्रोन हमले और गोलीबारी में एक महिला सहित दो लोगों की मौत हो गई थी। महिला की 13 साल की बेटी और एक पुलिस अधिकारी समेत 9 लोग घायल भी हुए थे। हमले में घायल सुरबाला की मौत हो गई, जबकि 13 साल की बेटी एनजी रोजिया के दाहिने हाथ में चोट आई हैं। घटना स्थल से मिला होल्डर, जिसे लेकर दावा किया गया है कि इसमें बम अटैच किया था। इंफाल से 18 किमी दूर बना कोत्रुक गांव में मैतेई समुदाय के लोग रहते हैं। रविवार दोपहर 2 बजे गोलीबारी हुई। जिसके बाद लोग वहां से जान बचाकर भागे। उग्रवादियों ने खाली पड़े घरों में लूटपाट की। साथ ही 5 घरों और वहां खड़ी गाड़ियों में आग लगा दी। हालांकि सुरक्षा बलों ने रविवार रात को हमलावरों को खदेड़ दिया। इंफाल वेस्ट जिले के कौत्रुक गांव समेत 3 गांव में रविवार रात कुकी हथियारबंद उग्रवादियों ने ड्रोन से बम गिराकर हमला किया था। इसके बाद कौत्रुक गांव के सभी 17 परिवार गांव छोड़कर भाग गए हैं। सभी अपनी जान बचाने के लिए घर छोड़कर सुरक्षित जगहों जैसे इंफाल, खुरखुल और सेक्माई चले गए हैं। लोगों में डर है। उन्हें अंदेशा है कि एक बार फिर बड़े स्तर पर हिंसा भड़क सकती है। कौत्रुक निवासी प्रियोकुमार ने बताया कि गांव में अब तक सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हुए हैं, जिससे सभी ने डर कर गांव छोड़ दिया है।

पेरिस पैरालिंपिक- सुमित अंतिल ने जैवलिन थ्रो में गोल्ड जीता

बैडमिंटन में एक गोल्ड समेत 4 मेडल, डिस्कस थ्रो में सिल्वर, आर्चरी में ब्रॉन्ज

■ संजीवनी टुडे

पेरिस। पेरिस पैरालिंपिक में भारत को 5वें दिन का दूसरा गोल्ड मेडल मिल चुका है। जैवलिन थ्रो में सुमित अंतिल ने पैरालिंपिक रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल जीता। उन्होंने 70.59 मीटर दूर थ्रो फेंककर पहला स्थान हासिल लिया। उनसे पहले बैडमिंटन में नितेश कुमार ने गोल्ड जीता था। बैडमिंटन में भारत ने 4 मेडल जीते। नितेश के बाद सुहास यथिराज ने सिल्वर मेडल जीता। जबकि विमेंस इवेंट में थुलासिमथी मुरुगेसन ने सिल्वर और मनीषा रामदास ने ब्रॉन्ज मेडल दिलाया। इनसे पहले डिस्कस थ्रो में योगेश कथुनिया ने सिल्वर जीता, जबकि आर्चरी में राकेश कुमार और शीतल देवी की जोड़ी ने ब्रॉन्ज दिलाया। टोक्यो पैरालिंपिक में जैवलिन थ्रो का गोल्ड जीतने वाले सुमित अंतिल ने पेरिस में भी गोल्ड मेडल ही जीता। उन्होंने पैरालिंपिक में अपना ही रिकॉर्ड तोड़कर दूसरे अटेम्प्ट में 70.59 मीटर दूर थ्रो फेंका। टोक्यो में उन्होंने 68.55 मीटर दूर थ्रो किया था। इसे उन्होंने पहले ही अटेम्प्ट में 69.11 मीटर दूर थ्रो फेंक कर पार कर दिया।

भारत को अब तक 14 मेडल

पैरालिंपिक में भारत अब तक 3 गोल्ड, 5 सिल्वर और 6 ब्रॉन्ज जीत चुका है। आज भारत एथलेटिक्स में भी मेडल जीत सकता है। पैरा बैडमिंटन मिक्स्ड एसएच-6 इवेंट में भारत की नित्या श्री सिवान और शिवराजन सोलाईमलाई की जोड़ी ब्रॉन्ज मेडल मैच हार गई। अब सिंगल्स में नित्या श्री सिवान इंडोनेशिया की रीना मर्लिना से ब्रॉन्ज मेडल मैच खेलेंगी। सुमित का दूसरा अटेम्प्ट गोल्ड मेडल जीतने के लिए काफी रहा। जैवलिन थ्रो में भारत के ही संदीप 62.80 मीटर थ्रो के साथ चौथे और संजय सर्गर 58.03 मीटर के बेस्ट थ्रो के साथ 7वें नंबर पर रहे। श्रीलंका के दुलन कोडिथुवाकु को सिल्वर और ऑस्ट्रेलिया के माइकल बरियन को ब्रॉन्ज मेडल मिला। सुमित ने क्क64 कैटेगरी में गोल्ड जीता। इस कैटेगरी में वे एथलीट्स आते हैं, जिनके एक पैर की लंबाई दूसरे से कम होती है। जिससे उन्हें चलने और दौड़ने में दिक्कत होती है। राकेश कुमार और शीतल देवी की मिक्स्ड डबल्स जोड़ी ने पैरा आर्चरी में ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया।

खबरें फटाफट

फार्मासिस्ट अंतिम सूची जारी नही होने से नाराज फार्मासिस्ट अभ्यर्थियो ने काली पट्टी बांध कर विरोध जताया

संजीवनी टुडे

जयपुर। फार्मासिस्ट अंतिम सूची जारी नही होने से नाराज फार्मासिस्ट अभ्यर्थियो ने काली पट्टी बांध कर सरकार का विरोध जताया। मिली जानकारी के अनुसार विश्वजीत मित्रा ने अपने पूरे केडर की तरफ से स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर से मांग की कि फार्मासिस्ट भर्ती की अंतिम सूची जारी हो और जल्द फार्मासिस्ट अभ्यर्थियो को नियुक्ति दी जाए। मांग पूरी नहीं नहीं होने पर चेतावनी दी कि फार्मासिस्ट अभ्यर्थी एक जूट होकर कार्य बहिष्कार करेंगे, जिसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने की पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत से मुलाक़ात

संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान से राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी ने सोमवर को राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मुलाक़ात की। तिवाड़ी गहलोत के सरकारी आवास पर पहुंचकर उनके कुशलक्षेम जानी व विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई।

पंचम क्रिकेट टूर्नामेंट के पोस्टर का विमोचन

संजीवनी टुडे

जयपुर। 14 अक्टूबर से जयपुर में आयोजित होने वाले पंचम क्रिकेट टूर्नामेंट के पोस्टर विमोचन किया गया। पंचम क्रिकेट के टूर्नामेंट के सचिव मनोज दुब्बी ने बताया कि पंचम क्रिकेट टूर्नामेंट पोस्टर का विमोचन निदेशक,चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं अराजपत्रित महेंद्र प्रताप भाटी से स्वास्थ्य भवन जाकर करवाया। इस अवसर पर नर्सेज़ नेता प्यारेलाल चौधरी, सयोजक महिपाल सामोता, आयोजन कर्ता महेंद्र कूड़ी, महेश चौधरी, योगेन्द्र चौधरी, हरि सिंह भाटी, नर्सेज़ नेता कैलाश शर्मा ,सत्यप्रकाश सतवीर भरत जाटव ,पर्दीप धनखड , सुरेश मीना भूपेन्द्र मीना नामोनारायन मीना आदि उपस्तिथ रहे।

गोविन्द ठाकुर बने मरुधरा किसान यूनियन के प्रदेश सलाहकार

संजीवनी टुडे

जयपुर। मरुधरा किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बालियान ने जयपुर निवासी गोबिन्द ठाकुर को उनकी सामजिक कार्य और किसानो के हित मे आवाज उठाने एवं किसान हितैशी जैसी विचारधारा को लेकर मरुधरा किसान यूनियन मे प्रदेश सलाहकार नियुक्त किया, इसी के साथ राजस्थान के कार्यकारणी मे हलचल मच गयी और सभी मे एक नहीं उमंग जग उठी, बता दे कि गोबिन्द ठाकुर कई सालो से संगठन चलाते आ रहे है और समय समय पर आम जनता एवं किसानो के हितो के लिए आवाज उठा चुके है।

इवेंटस्थान में नजर आया मनोरंजन की विविधताओं का संगम

एक्सपर्ट की चर्चाओं और रंगारंग प्रस्तुतियों के साथ हुआ इवेंटस्थान का समापन

संजीवनी टुडे

जयपुर। फैडरेशन ऑफ राजस्थान इवेंट मैनेजर्स (फोरम) की ओर से सीतापुरा स्थित नोवोटेल जयपुर में आयोजित किए गए इवेंट इंडस्ट्री के महाकुंभ इवेंटस्थान के दूसरे दिन भी विशेषज्ञों की चर्चाओं के बीच मनोरंजन की विविधताओं का समावेश देखने को मिला। इवेंटस्थान के इस 11वें सीजन में इवेंट सेक्टर में उल्लेखनीय योगदान करने वाले करीब 100 इवेंट मैनेजर्स को फोरम अवॉर्डस से सम्मानित भी किया गया। दोपहर के सेशन में जहां हिंदी सिनेमा के मशहूर अभिनेता राजेश खट्टर ने शिरकत की, वहीं शाम को बॉलीवुड अभिनेत्री उदिता गोस्वामी ने माहौल में चार चांद लगाए। फोरम के प्रेसिडेंट मोहित माहेश्वरी और जनरल सेक्रेटरी अजय चौहान ने बताया कि ''इंडियन वेडिंग्स सेलिब्रेटिंग लव'' सेशन के दौरान की-नोट स्पीकर सीनियर वेडिंग एक्सपर्ट रितुराज खन्ना, इवेंट मैनेजर प्रीतेश शर्मा, रजत सोगानी, प्रतीप त्यागराजन और ताज रामबाग होटल के डायरेक्टर ऑफ सेल्स इस्लाम ने भी शिरकत की।

फोरम के पूर्व प्रेसिडेंट हरप्रीत बग्गा ने इस सेशन को मॉडरेट किया। इवेंट गुरु अरशद हुसैन के सान्निध्य में हुए अगले सेशन ''मीडिया-विंडो टू द इंडस्ट्री'' में मीडिया एक्सपर्ट मुकेश माथुर, सेलिब्रिटी एंकर व आरजे सूफी, आस्था टाटिया, राहुल पार्टी आइडियाज, मयंक हरलालका, वेडिंग अफ़ेयर के सीईओ रजनीश राठी ने मीडिया के माध्यम से इवेंट्स के प्रमोशन पर बातचीत की। सेशन के मॉडरेटर इवेंट गुरु अरशद हुसैन ने कहा कि टीआरपी बढ़ाने के लिए मीडिया चैनल विभिन्न प्रकार के इवेंट्स आयोजित करते हैं। इवेंट्स के डवलपमेंट के लिए हमें मीडिया के इन माध्यम के साथ कारोबारी विस्तार की संभावनाएं तलाशनी चाहिए। स्पीकर मुकेश माथुर ने कहा कि भले ही आज सोशल मीडिया के माध्यम से आम आदमी पत्रकार बन गया हो लेकिन सूचनाओं के तथ्यों के मामले में अखबार ज्यादा महत्वपूर्ण है। इवेंट मैनेजर जिस प्रकार किसी समारोह के तथ्यों का समावेश करता है, उसे आमजन तक पहुंचाना मीडिया की जिम्मेदारी है। मनोरंजन के कार्यक्रमों के प्रति इवेंट मैनेजर्स की मीडिया तक पहुंच आसान बनाने से इस क्षेत्र में उन्हें अभूतपूर्व सफलता मिलेगी।

आरजे सूफी ने कहा कि किसी इवेंट को जनता तक पहुंचाने में एफएम रेडियो महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इसमें इवेंट्स के लिए रेवेन्यू जेनरेशन का भी जरिया बन सकता है। मैरिज ऑन एयर और वेडिंग्स ऑफ द ईयर जैसे आइडियाज देते हुए सूफी ने कहा कि शादियों के लेडीज संगीत को टैलेंट हंट के रूप में बनाया जा सकता है, जिससे इवेंट सेक्टर और रेडियो स्टेशन दोनो को लाभ हो सकता है। इवेंटस्थान के सेशन एंटरटेनमेंट - सोल ऑफ इंडस्ट्री में अभिनेता राजेश खट्टर, जिम्मी फ़ेलिक्स, पीयूष पंवार और यश गांधी के बीच संवाद हुआ। इवेंटस्थान के दौरान दोपहर और शाम के समय विभिन्न ग्रुप्स ने म्यूजिक और डांस की परफॉर्मेंस दी।

श्री दादूचैन आश्रम चौमूँ से दादू पालकां धाम मैराणा जी की 14वीं विशाल पदयात्रा एवं दादूवाणी भव्य शोभा यात्रा

संजीवनी टुडे

चौमूं। हर वर्ष कि भांति इस वर्ष भी श्रीमद् दादू पीठाधीश्वर आचार्यप्रवर श्री 1008 श्री औमप्रकाशदास जी महाराज नरेणाधाम के पावन सानिध्य में श्री दादू चैन आश्रम चौमूँ से वाया आमेर जयपुर में परम इष्टदेव श्री दादूदयाल जी महाराज के मोक्षधाम श्री दादूपालकां धाम भैराणा (बिचून) की 14 वीं पदयात्रा मिति भाद्रपद शुक्ला एकादषी, शनिवार, दिनांक 14 सितम्बर 2024 को प्रातः 10.15 बजे श्री दादूचैन आश्रम चौमूँ से श्री दादूवाणी की भव्य शोभायात्रा व पदयात्रा मार्ग होली दरवाजा, चौपड़, सदर बाजार, बस स्टेण्ड, मोरीजा रोड कागल्या वाले हनुमान जी मंदिर होते हुए पदयात्रा यथावत चालू रहते हुए आमेर, जयपुर भाँकरोटा, बेगस, बन्धे के बालाजी, रात्रि विश्राम करतें हुए मिति भाद्रपद शुक्ला पूर्णिमा बुधवार, दिनांक 18 सितम्बर 2024 को श्री दादूपालकां भैराणां धाम पहुँचेगी। इस मौके पर रामशरण कटारिया माली, बंशी बागडा, सुवालाल गोरा, सुनील शर्मा कजोडमल सौनी, गोंकूल मीणा, केलाश, रामसहाय, गजानन्द आदि मौजूद रहे।

भोमिया बाबा के मेले में उमड़ी श्रदालुओ की भीड़

संजीवनी टुडे

राजगढ़। उपखंड के गांव नीमला में श्री भोमिया जी महाराज के मेले में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी एवं भंडारे मे लोगों ने पंगत में बैठकर प्रसादी ग्रहण की ।देवकरण बाबूजी एवं नेमी नीमला ने बताया कि उपखंड के नीमला मे अरावली की पर्वत मालाओं के बीच गांव मे स्थिति भोमिया जी व संत बाबा के मंदिर पर बाबा का एक दिवसीय वार्षिक मेला भादवा की अमावस्या को आयोजित हुआ। मेले मे आस पास के गाँवों के अलावा दूर दराज से श्रद्धालु पहुँचे ओर भोमिया बाबा व संत बाबा के मंदिर मे पूजा अर्चना कर प्रसाद चढ़ाया ओर परिक्रमा लगाकर मत्था टेक मन्नते मांगी।

श्रद्धालु नेमी नीमला ने बताया थानागाजी विधायक कांति प्रसाद मीणा ने अपने भाषण में मंदिर में सीमेंट की टाइल लगाने की घोषणा की । मेले का कार्यक्रम शुरु होने से पहले रविवार को रात्रि नीमला व आस पास के भक्तो ने पेट पलनिया व झंडा यात्रा निकाल कर पूजा यात्रा के साथ शनिवार को प्रात ठाकुर जी मंदिर से विधिवत रवाना हुई जो नगर परिक्रमा करते हुए भोमिया जी के मंदिर पर पहुंची मेले के दौरान रात्रि भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें कलाकार हेमराज योगी टहटड़ा, द्वारा भजन प्रस्तुत किए गए ओर मेले के दिन पद दंगल पार्टी महेश सैनी पिनान,बुद्धा राम सैनी देवती द्वारा पद दंगल कार्यक्रम प्रस्तुत किया । थानागाजी विधायक कांति प्रसाद मीना , पंचायत समिति सदस्य सविता शर्मा, नीमला सरपंच पिंकी मीना, जावली का बाड़ सरपंच विश्राम(श्री) मीना, प्रहलाद शर्मा,समाजसेवी हरिओम पाण्डु, नेमी नीमला, प्यारेलाल कोठीवाला,देवकरण बाबूजी, मुरारी बाबूजी,मुकेश हवलदार, जीतू बुरिया, भोरे लाल बेडका, भागचंद पीटीआई, राजू,राधे नीमला सहित अनेक धर्म प्रेमी लोग मेले में उपस्थित रहे एवं मंच का संचालन धर्म सिंह गुर्जर ने किया।

पिता की मौत के बाद सहारा बना सोशल मीडिया

संजीवनी टुडे

दौसा। जिले की कुंडल तहसील क्षेत्र के बडोली में स्व. रामगोपाल मीना का देहांत हो गया। उनके देहांत के बाद परिवार बेसहारा हो गया उनकी सहायता के लिए सर्व समाज के मानवता वादी सहयोग कर्ताओं ने मिशन चलाकर आर्थिक संबल प्रदान किया। मिशन से जुड़े सर्व समाज हेल्प टीम के सक्रीय सदस्य महेंद्र गुर्जर प्रकाश भाबला दुब्बी ने बताया कि रामगोपाल सीलोकोशिक बिमारी से पीड़ित था लंबा इलाज कराने के बाद भी फायदा नहीं हुआ और 11 अगस्त को मौत हो गई उनके देहांत के बाद परिवार बेसहारा हो गया परिवार कि स्थिति को देखते हुए सोसल मीडिया पर एक मिशन चलाया जिसमें लगभग 550 सहयोग कर्त्ताओं के सहयोग करने के बाद 245644 रुपए की राशि एकत्रित हुई जिसको 1 सितंबर को मिशन से जुड़े सदस्यों ने व स्थानीय ग्रामीणों ने रामगोपाल की यादगार में सर्व समाज हेल्प टीम ने ग्रामीणों के साथ मिलकर एक फलदार पेड़ एवं बेजुबान पक्षियों के लिए परिंडा लगाकर उनकी छायाप्रति पर पुष्प चढ़ाकर श्रृद्धांजलि अर्पित करके पीड़ित परिवार को राशि सौंप दी सहयोग राशि के कुल सहयोग मे से 2 लाख 20 हजार की पीड़ित परिवार के नाम एफडी कराने का निर्णय लिया व शेष बची राशि 25644 रुपए पीड़ित परिवार को के खर्च के लिए सौंप दिये। मिशन में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले सभी सहयोग कर्ताओं को स्थानीय ग्रामवासियों ने आभार प्रकट करके धन्यवाद दिया। मिशन में सर्व समाज के समाज सेवी भामाशाह मिशनों में हेल्प करने वाली सर्व समाज हेल्प टीम सर्व समाज नवयुवक हेल्प टीम राष्ट्रीय जन सेवा टीम तीनों टीमों के सदस्य, ग्रामवासी एवं रिस्तेदारो ने सक्रिय होकर सहयोग किया और सहयोग करवाया। मिशन समापन पर धनपाल उषाहार बडला सुनिल भाकरी प्रमोद सैनी सकट महेंद्र गुर्जर प्रेमपुरा, मामराज जी बडला, हनुमान बडोली घनश्याम शर्मा, गोपीराम मास्टर बडोली मुलचंद रामसागर प्रहलाद, नारायण मीना गांववाला की ढाणी बडोली, लालाराम शर्मा, पुरुषोत्तम रंगलाल रामफुल सुरज, बाबूलाल, राहुल आदि समाजसेवी व ग्रामीण उपस्थित थे।।

शिक्षा में नवाचार के लिए बड़ला स्कूल के शिक्षक दिनेश कुमार सैनी होंगे राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। उपखंड क्षेत्र की श्रीचंदपुरा ग्राम पंचायत के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बड़ला में पदस्थापित शिक्षक दिनेश कुमार सैनी का चयन शिक्षण में नवाचार व भामाशाहों के माध्यम से विद्यालय में लाखों रूपए का कार्य करवाने के लिए राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान 2024 में कक्षा 1 से 5 वर्ग में किया गया है। शिक्षक दिनेश कुमार सैनी का नाम शिक्षा में नवाचार के लिए जाना जाता है। शिक्षा विभाग में आने से पूर्व ये तीन साल दिल्ली पुलिस में अपनी सेवा दे चुके हैं। इनके नवाचार के लिए इनको शिक्षा सचिव नवीन जैन के द्वारा राजस्थान के शिक्षक सितारे अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। ये भामाशाहों के सहयोग से विद्यालय में अनेक विकास कार्य करवाते हैं। ये अपना शिक्षण कार्य मनोरंजक गतिविधि के माध्यम से करवाते हैं। इनके द्वारा अभी तक 16 बार रक्तदान किया जा चुका है और छोटे बच्चों के लिए ये कविताएं लिखते है जो बच्चो के लिए बालगीत के रूप में जानी जाती है।

इनके द्वारा दिनेश हिन्दी बालगीत के नाम से यूट्यूब चैनल बना रखा है। ये अपने हिंदी बालगीत, गतिविधि आधारित शिक्षण, खेल खेल में शिक्षा और शिक्षा में शून्य निवेश नवाचार से संबंधित वीडियो तैयार करके यूट्यूब पर डालते है जिससे खुद के विद्यालय के बच्चों के साथ साथ देश के करोड़ों बच्चें लाभांवित हो रहे है। ये राजस्थान में सामाजिक कार्य करने वाली राष्ट्रीय जन सेवा टीम और सर्व समाज हेल्प टीम के सदस्य है। दोनो टीमों के द्वारा मिशन चलाकर जरूरतमंदों की मदद करना, कंबल वितरण और पक्षियों के लिए परिंडे लगाने का कार्य करती है। इनके नवाचार के लिए इनको राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश,गुजरात में भी सम्मानित किया जा चुका है। इनके चयन की सूचना से पीईईओं कमलेश कुमार गुप्ता, विद्यालय के प्रधानाध्यापक गणेश राम चौधरी, संतोष कुमार कुंडारिया, समरथलाल, घनश्याम, सुनीता, भाग्यश्री और नीमलता के साथ-साथ पूरे शिक्षक समाज व गांव ने खुशी जाहिर करते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

प्योर इंडिया ट्रस्ट को मिला राज्य स्तरीय भामाशाह एवं शिक्षा भूषण सम्मान

संजीवनी टुडे

करौली। जिले के प्रशांत पाल को करौली, अलवर, चित्तौड़गढ़ एवं जयपुर जिलों में शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया । शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर जी की अध्यक्षता में , रविवार को उदयपुर के मोहनलाल सुखाडिया यूनिवर्सिटी के विवेकानंद सभागार में 28वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह 2024 में आयोजित किया गया ! प्रशांत पाल ने बताया कि प्योर इंडिया ट्रस्ट के माध्यम से ट्रस्ट अब तक 50 से ज्यादा सरकारी विद्यालयों के शिक्षा सम्बन्धी आधारभूत सुविधाओं, स्टेम लैब, कंप्यूटर लैब, ओपन जीम, करियर मार्गदर्शन, खेलकूद सामाग्री, छात्रवृति, प्रतिभा सम्मान, यूनीफॉर्म वितरण, नई शिक्षा नीति के संबधित कलरिंग, बिल्डिंग मरम्मत, एवं अन्य भौतिक व शैक्षणिक सुविधाओं को उपलब्ध कराने के लिए कार्य कर रहे हैं! राजस्थान भर में 15 लाख से ज्यादा की राशि दान करने वाले 157 भामाशाहों एवं 81 प्रेरकों को सम्मानित किया । खास बात यह है कि प्रशांत पाल करौली जिले से सम्मानित होने वाले एकमात्र भामाशाह एवं सामाजिक कार्य कर्ता है! प्रशांत पाल मूलतः करौली जिले के मनोहरपुरा गाँव से हैं और वे अपने गाँव के राजकीय विद्यालय के आलावा अन्य कई विद्यालयों का सहयोग 10 साल से लगातार कर रहे हैं । भामाशाह कार्यक्रम से पता चला कि राजस्थान एकमात्र राज्य है जो शिक्षा को बढ़ावा देने वाले दान-दाताओं को हर साल राज्य एवं जिला स्तर पर सम्मानित एवं प्रोत्साहित करने वाला एक मात्र राज्य है जिससे राज्य में 28 साल मे शिक्षा के लिए लगभग 840 करोड़ का दान औपचारिक रूप से प्राप्त हो चुका है! प्रशांत पाल को करौली जिला शिक्षा विभाग द्वारा करौली में शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

यूपीएस योजना को कर्मचारी किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं करेगा

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। केन्द्र सरकार द्वारा सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाईड पेंशन स्कीम यूपीएस को मंजूरी दिये जाने पर राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) की प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक गणेश मन्दिर नाथद्वारा में प्रदेशाध्यक्ष नीरज शर्मा एवं सभाध्यक्ष घुलीराम डांगी के सानिध्य में सम्पन्न हुई बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की यूपीएस पैशन योजना को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जायेगा। संघ (प्रगतिशील) के मुख्य महामत्री धर्मेन्द्र गहलोत ने बताया की केन्द्र सरकार बार-बार नाम बदलकर कर्मचारियों को बरगलाकर पेंशन के नाम पर कर्मचारियों की सुविधाओं को समाप्त करना चाहती है। जिसको किसी भी स्थिति में राज्य का कर्मचारी स्वीकार नहीं करेगा। राज्यभर में कर्मचारियों में यूनिफाईड पेंशन योजना के प्रति जबरदस्त आक्रोश है क्योंकि अब यह स्पष्ट हो चुका है कि आने वाले समय में राज्य सरकार यूपीएस जबरन तरीके से लागू करेगी। ऐसा होता है तो संगठन आर-पार के संघर्ष की रणनीति तैयार कर दी है। प्रदेशाध्यक्ष ने नीरज शर्मा ने कर्मचारियों के लिए केन्द्र सरकार द्वारा आजतक आठवां वेतन आयोग के गठन को मंजूरी नहीं देना केन्द्र सरकार की कर्मचारी विरोधी नीति को अंगीकार करता है जिससे कर्मचारियों में भारी रोश व्याप्त है।

साथ ही है बार-बार पेंशन योजना के नाम बदल-बदल कर कर्मचारियों के साथ कुठाराघात किया जा रहा है। पूरानी पेंशन योजना ही कर्मचारियों को स्वीकार होगी। समाध्यक्ष घुलीराम डांगी ने कहा कि शिक्षक समाज को दिशा देने वाला होना चाहिए। देश में वर्तमान दौर में जो स्थिति बन रही है वो राष्ट्र के लिए ठीक नहीं है। शिक्षक समाज का सबसे शिक्षित वर्ग है।

हम ही समाज को सही दिशा में ले जाने में सहयोग करेंगे तो समाज अराजकता से बचा रहेगा। निदेशक माध्यमिक शिक्षा, बीकानेर से संगठन की शिक्षकों की सेवारत समस्याओं के संदर्भ में हुई वार्ता के संदर्भ में व्यापक स्तर पर कार्यकारिणी में चर्चा हुई। संगठन की सदस्यता अभियान में बीस प्रतिशत वृद्धि करने, शिक्षा विभाग के सभी संवर्गो की एक मुश्त डीपीसी करने ब्लॉक स्तर पर उप जिला शिक्षा अधिकारी, शारीरिक शिक्षा का पद स्वीकृत करने, आगामी शेक्षिक अधिवेशन वैभवशाली करने शिक्षक हितों के लिए अधिकारियों से त्रैमासिक वार्ता करने, संगठन की त्रेमासिक बैठक मण्डल वार करने सहित विभिन्न मुद्दो पर व्यापक चर्चा हुई। इस अवसर पर कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष नरेन्द्र कुमार शर्मा, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष लच्छीराम गुर्जर, उदयलाल डामौर, बृजमोहन मीणा, जसवंतपुरी गोस्वामी, प्रीति गुर्जर, अशोक त्रिवेदी, अशोक जीनगर, देवीलाल भूदस, कान्तिलाल मीणा, देवेश खत्री, इनामुल हक कुरेशी, धमेन्द्र खत्री, जगदीश पलात, नरेन्द्र सिंह राणावत, शंकरलाल खटीक, हीरालाल गमैती, नलिन शर्मा, घनश्याम टेलर, सुर्यप्रकाश जोशी ने भी केन्द्र सरकार द्वारा लाई गई यूपीएस योजना का घोर विरोध कर ओपीएस योजना के साथ कोई छेड़छाड़ न करने की हिदायत दी।

जैन धर्म के पर्यूषण पर्व पर श्री चिंतामणि पारसनाथ भगवान मंदिर में हुई पूजा अर्चना

संजीवनी टुडे

बाड़मेर। पर्वधिराज पर्युषण महापर्व के तीसरे दिन सोमवार अमावस्या कल्पा के दिन धारोणी बोहरा परिवार द्वारा दादा चिंतामणि पारसनाथ भगवान की नवअंग की पूजा, आरती, करके पुण्य कमाया कल्पा का दिन जैन धर्म में बहुत महत्पूर्ण माना गया है गुरु भक्त पवन बोहरा बालेबा ने बताया की चिंतामणि पारसनाथ मंदिर में गोत्र वाइज दादा की पूजा कई वर्षो से होती आ रही है इसी तरह दादा चिंतामणी पारसनाथ भगवान मंदिर में इन आठ दिनों में हर रोज अलग अलग रंग बिरंगी परमात्मा की अंग रचना काजल जैन, वर्षा जैन, हिरन जैन द्वारा की जाती है देखने के लिए सेकडो की संख्या जैन बंधुओ का आवागमन चालू रहता हैं पर्यूषण पर्व, जैन समाज का एक महत्वपूर्ण पर्व है। जैन धर्मावलंबी भाद्रपद मास में पर्यूषण पर्व मनाते हैं। ये पर्यूषण पर्व आठ दिन चलते हैं। आठवें दिन जैन धर्म के लोगों का महत्वपूर्ण त्यौहार संवत्सरी महापर्व मनाया जाता है। इस दिन यथा शक्ति उपवास रखा जाता है। पर्यूषण पर्व की समाप्ति पर क्षमायाचना पर्व मनाया जाता है।इन आठ दिनों में श्रावक श्राविकाए अपनी शक्ति अनुसार व्रत-उपवास आदि करते है। ज्यादा से ज्यादा समय भगवन की पूजा-अर्चना में व्यतीत किया जाता है। जैन ग्रन्थ, कल्पसूत्र एवं तत्त्वार्थ सूत्र का इन 8 दिनों मे वाचन किया जाता है इन 8 दिन मे सुबह एवं शाम को प्रतिक्रमण करते हुए पूरे साल मे किये गए पाप और कटू वचन से किसी के दिल को जानते और अनजाने ठेस पहुंची हो तो क्षमा याचना करते है एक दूसरे को क्षमा करते है और एक दूसरे से क्षमा माँगते है और हाथ जोड कर गले मिलकर मिच्छामी दूक्कडम करते है? इस अवसर पर रतनलाल बोहरा एम, संजय बोहरा धनाऊ, पुखराज, अमृतलाल बोहरा, शांति बोहरा, ममता बोहरा, जसोदा सिंघवी, उषा संखलेचा, कोशल्या लूणिया सहित कई भक्त गण मंदिर परिसर में मोजूद थे

बासडाधनजी के भामाशाह राजपुरोहित का व मोदरान के सरकारी स्कूल के शिक्षक का हुआ राज्य स्तरीय सम्मान

संजीवनी टुडे

मोदरान । राज्य मे पहली बार राजधानी से बाहर उदयपुर में राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें 157 भामाशाह और 87 प्रेरकों का सम्मान किया गया। जानकारी के अनुसार मोदरान क्षैत्र में विद्यालय में विकास कार्यो के लिए भामाशाहों के सहयोग से छात्र हित में विद्यालय विकास में बेहतरीन कार्य करवाने पर भामाशाह प्रेरक के रुप मे उदयपुर में आयोजित 28 वें राज्य स्तरीय भामाशाह सम्मान समारोह मे शनिवार को शिक्षा मंत्री मदन दिलावर व शिक्षा विभाग के प्रमुख शासन सचिव कृष्ण कुनाल द्वारा मोदरान क्षैत्र के बासडाधनजी निवासी भामाशाह श्रीमती सुकी देवी शिवनाथ सिंह राजपुरोहित बासडाधनजी व मोदरान के सरकारी विद्यालय के शिक्षक जितेंद्रसिंह चारण नरपुरा को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया । आपको बता दें कि इस वर्ष सत्र 2023-24 में 157 भामाशाहों ने 138 करोड़ 22 लाख 13 हजार की राशि दान की। एक करोड़ से अधिक राशि दान देने भामाशाह को शिक्षा विभूषण और 15 लाख से 1 करोड़ तक दान देने वालों को शिक्षा भूषण से सम्मानित किया गया। संयुक्त निदेश महेन्द्र जैन ने बताया कि न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन रावतभाटा सबसे बड़ा दानवीर बना है, जिसने सर्वाधिक 14 करोड़ 11 लाख 57 हजार रुपए की राशि दान की। वहीं, दूसरे नंबर पर 8 करोड़ 73 लाख 15 हजार रुपए चंबल फर्टिलाइजर्स एंड कैमिकल्स लिमिटेड ने दान किए। इसी प्रकार मोदरान क्षैत्र के बासडाधनजी गांव के सुकी देवी शिवनाथ सिंह राजपुरोहित को व जितेन्द्र सिंह चारण नरपुरा को राज्य स्तर पर सम्मानित किया गया ।

भर्तृहरि मंदिर के समीप खुले अवैध शराब के ठेके को बंद कराने के लिए जिला कलेक्टर को लिखा पत्र

संजीवनी टुडे

अलवर। जिला कांग्रेस कमेटी अलवर के जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने अलवर-जयपुर सड़क मार्ग पर तपोभूमि भर्तृहरि मंदिर के समीप खुले अवैध शराब ठेके को बंद करने के लिये अलवर जिला कलक्टर को पत्र लिखा है। कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा ने बताया कि श्री भर्तृहरि बाबा अलवर के लोकदेवता है, उनके मंदिर के पास शराब का ठेका खोलने से श्रद्धालुओं की भावनाओं को ठेस पहुंची है। विगत दिनों ग्रामीणों का एक शिष्ठमंडल जिला कलक्टर से मिला और उन्हें ज्ञापन देकर ठेका हटवाने की मांग की थी, उन्होंने अपने ज्ञापन में जिला कलक्टर को अवगत कराया है कि 2008 में राज्य सरकार ने यहां शराब की दुकान हटवा दी थी और उसे इसके बाद कभी आवंटन नही किया गया लेकिन आबकारी विभाग के अधिकारियों ने मिलीभगत कर शराब ठेकेदार को फायदा पहुंचाने की नियत से अवैध शराब की दुकान खुलवा दी है। जन भावनाओं के खिलाफ खुले शराब ठेके को हटाने को लेकर ग्रामीणों ने आंदोलन की चेतावनी भी दी है। इधर सरिस्का बाघ परियोजना के तत्कालीन उप वन संरक्षक महेन्द्र कुमार शर्मा ने 29 अप्रेल को क्रमांक 3852 एक पत्र जिला आबकारी अधिकारी लिखा है। जिनमे उन्होंने अवगत कराया कि यह क्षेत्र ड्राई एरिया वन विभाग के अन्दर आता है और शराब ठेका यहां होने से शराबी लोग श्रद्धालुओं एवं वन प्राणियों को नुकसान पहुंचा सकते है। यहां मानव एवं वन प्राणियों के बीच संघर्ष हो सकता है ऐसे में वन जीव शिकार की घटना भी हो सकती है।

पांचना बांध को पर्यटन का दर्ज़ा दिलवाना मांग नही, हमारी जरूरत है : नरेंद्र बैंसला

संजीवनी टुडे

करौली। पांचना बांध पूर्वी राजस्थान का सबसे बड़ा बांध है यहां अंजनी माता का विशाल मंदिर इस क्षेत्र की अधिक से अधिक शोभा बढ़ाने में खूबसूरती पैदा करता है तथा पांचना बांध विकास समिति के अध्यक्ष नरेंद्र बैंसला ने बताया कि पांच नदियों के संगम पर बना होने के कारण इसको करौली की जनता गंगा के रूप में स्वीकार करती है तथा जब भी धार्मिक पर्व आते हैं उस समय क्षेत्र की जनता इसमें स्नान कर अपने आप को पवित्र ता स्वीकार करती है पांचना बांध के जलस्तर का विस्तार इतना गहरा है कि भविष्य में यहां पर्यटक स्थल बनने के पश्चात एक वॉटर स्पोर्ट्स हब बनने के लिए बहुत बड़ा स्थल बन सकता है जिससे इस क्षेत्र की युवा पीढ़ी को भारत में सुनहरा भविष्य मिलने के आसार रहेंगे इस क्षेत्र के आसपास जो पहले से ही चार पर्यटक स्थलों के रूप में है मेहंदीपुर बालाजी, श्री महावीर जी मंदिर, मदन मोहन जी मंदिर, और केला माता जी मंदिर, पांचना बांध पर्यटक स्थल बनता है तो उसी के साथ में या बहुत बड़ा ठहराव होगा पर्यटक स्थल के आने वाले आगुंतकों के लिए और उसी स्थान पर अंजनी माता और हनुमान जी का बहुत विशाल मंदिर है जो इस क्षेत्र के बहुत सारे लोग इसको पवित्रता के रूप में स्वीकार करते हैं पांचना बांध इन सभी चार पर्यटक स्थलों के मध्य में है। तथा कैप्टन हरकेश पीपलपुरा ने बताया कि बांध को पर्यटन बनाना हमारी मांग नही जरूरत है इसमें किसी एक जाति या समुदाय विशेष का लाभ नहीं होगा बल्कि छेत्र विशेष का विकास होगा कैप्टन बैंसला बताते है कि स्थानीय विधायक से पांचना बांध विकास समिति मिलकर उनको अवगत कराएगी तथा आगे की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

खबरें फटाफट

प्रधानाचार्यों की 10 दिवसीय आवासीय लीडरशिप ट्रेनिंग शुरू

संजीवनी टुडे

उदयपुर। सीमेट गोनेर (जयपुर) के आदेशों की अनुपालना में डाइट उदयपुर द्वारा राजकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों की 10 दिवसीय आवासीय लीडरशिप ट्रेनिंग की शुक्रवार को शुरु हुई। उदघाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए डाइट प्रधानाचार्य चंद्रशेखर जोशी ने प्रधानाचार्यों से नेतृत्व क्षमता विकसित करने के टिप्स सांझा किए। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य डॉ ओमप्रकाश शर्मा ने भी संबोधित किया। जिला संदर्भ इकाई के प्रभारी सुरेंद्र सिंह शक्तावत ने बताया कि दस दिवसीय इस आवासीय प्रशिक्षण में उदयपुर, राजसमंद, झुंझुनूं तथा अन्य जिलों से कुल 50 प्रधानाचार्य भाग ले रहे हैं। प्रथम दिन आयोजित प्रशिक्षण की विषयगत चर्चा में अंजली कोठारी, आशा व्यास, हरीश त्रिवेदी, संजय लूणावत, यशवंत कुमार शर्मा, अनिरुद्ध नंदन व्यास, दिलीप सिंह राणावत, ज्योति बाला शर्मा, मीनाक्षी परमार, नेहा जैन आदि संभागी प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। दस दिवसीय इस आवासीय प्रशिक्षण में विद्यालय नेतृत्व का दृष्टिकोण,स्वयं का विकास, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का रूपांतरण, टीम निर्माण, टीम का नेतृत्व करना, सांझेदारी आदि विषयों पर चिंतन मनन किया जाएगा।

राष्ट्रीय निगम योजनान्तर्गत ऑनलाइन ऋण आवेदन पॉर्टल शुरू

संजीवनी टुडे

उदयपुर। राष्ट्रीय निगम की विभिन्न योजनाओं में आवेदन के लिए ऑनलाइन पोटल शुरू हो चुका है। अनुजा निगम के परियोजना प्रबंधक मान्धाता सिंह ने बताया कि राजस्थान अनुसूचित जाति जनजाति वित्त एवं विकास निगम द्वारा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति, राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति, राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी, राष्ट्रीय पिछडा वर्ग एवं राष्ट्रीय दिव्यांग वित्त एवं विकास निगम की योजनाओं में 30 सितंबर तक आवेदन कर सकते है। योजना में लघु व्यवसाय शहरी एवं ग्रामीण, महिला समृद्धि योजना शिक्षा ऋण योजना, डेयरी, जीप, ऑटो रिक्शा ई रिक्शा इत्यादि के लिये आवेदन किये जा सकेंगें।

जिला शांति समिति की बैठक आयोजित

संजीवनी टुडे

सलूंबर। जिला शांति समिति की बैठक का आयोजन जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में पुलिस थाना सलूंबर में किया गया। जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधू ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि सलूंबर जिला साम्प्रदायिक सद्भाव, भाईचारा एवं शांतिपूर्ण जिले के रूप में एक मिसाल है जिसे हमें आगे भी जारी रखना है। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने में जिलेवासी एक जिम्मेदार नागरिक की भूमिका अदा करते हुए प्रशासन एवं पुलिस का पूर्ण सहयोग करे। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया या अन्य किसी माध्यम से असामाजिक तत्वों द्वारा फैलाई जा रही भ्रामक जानकारियों को फॉरवर्ड-शेयर ना करें। जिले में बंधुत्व व भाईचारा की भावना को जिंदा रखते हुए किसी भी प्लेटफॉर्म पर अनर्गल टिप्पणी या पोस्ट आदि ना डालें ऐसा करने वालों पर सख़्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं बैठक को सम्बोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक राजेश यादव ने कहा कि शांति समिती के सदस्य जनता तक पुलिस व प्रशासन की बात करने के बेहतरीन माध्यम हैं इसलिए शांति समिति के सदस्य जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए आमजन को पुलिस व प्रशासन की भावना से अवगत करवाएं एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करे। इस दौरान डिप्टी हितेष मेहता,कालूलाल मीणा सहित शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

3 सितम्बर को इन क्षेत्रों में बंद रहेगी विद्युत आपूर्ति

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। 33/11 केवी पादरड़ी अहाड़ा जीएसएस पर आवश्यक रखरखाव कार्य के चलते जीएसएस से निकलने वाले सभी फिडर जैसे हथौड़, नलवा, घूघरा, साबली इत्यादि से जुड़े समस्त गांवों जैसे पादरड़ी, हथौड़, नलवा, घूघरा, साबली, मांडवा भेरा भाई, हथौड़ करोली ओड़ा छोटा और भुवनेश्वर इत्यादि की 3 सितम्बर को प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड देवल के सहायक अभियंता ने दी।

आयुर्वेद चल चिकित्सा शिविरों का कार्यक्रम जारी

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान द्वारा राजस्थान के डूंगरपुर जिले की तहसील सीमलवाड़ा के ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसूचित जनजाति के बाहुल्य क्षेत्रों के व्यक्तियों को निःशुल्क चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए 17 से 21 सितम्बर तक पांच दिवसीय निःशुल्क एसटी आयुर्वेद चल चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे। जारी कार्यक्रम के अनुसार 18 सितम्बर को ग्राम पंचायत दाद, 19 सितम्बर को ग्राम पंचायत गारा रोडा, 20 सितम्बर को ग्राम पंचायत ढूंका तथा 21 सितम्बर को ग्राम पंचायत गेलन में आयुर्वेद चल चिकित्सा शिविर आयोजित किए जाएंगे।

राज्यपाल कटारिया के निर्देशों पर लेकसिटी की सफाई व्यवस्था में हुआ सुधार

स्वच्छता की राह पर आगे बढ़ेगा उदयपुर , नगर निगम ने संभाली यूडीए क्षेत्र में सफाई व घर-घर कचरा संग्रहण की कमान

संजीवनी टुडे

उदयपुर। पर्यटन की दृष्टि से देश के सिरमौर शहरों में शामिल झीलों की नगरी उदयपुर अब स्वच्छता की राह में भी तेजी से आगे बढ़ेगी। उदयपुर विकास प्राधिकरण के क्षेत्राधिकार वाले इलाकों में बरसों से चल रही आ रही सफाई और घर-घर कचरा संग्रहण की समस्या के स्थाई समाधान को लेकर पंजाब के राज्यपाल श्री गुलाबचंद कटारिया, शहर विधायक ताराचंद जैन व उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा की पहल आखिरकार रंग लाई। राज्यपाल श्री कटारिया के निर्देशों पर नगर निगम ने यूडीए क्षेत्र की सफाई व्यवस्था की कमान संभाल ली है। सोमवार को नगर निगम परिसर से अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने कचरा संग्रहण वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही युडीए क्षेत्र के जोन 1 व 2 में घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य प्रारंभ हो गया। जोन 3 व 4 को लेकर भी टेण्डर प्रक्रियाधीन हैं तथा जल्द ही वहां पर भी सफाई व्यवस्था माकूल हो जाएगी। उदयपुर शहर में नगर निगम के क्षेत्राधिकार वाले इलाकों में निगम की ओर से रोड सफाई से लेकर घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य किया जा रहा है। तत्कालीन यूआईटी क्षेत्रों में कचरा संग्रहण की जिम्मेदारी यूआईटी संभाल रहा था, लेकिन पर्याप्त संसाधनों के अभाव में कचरा संग्रहण कार्य की प्रभावी मॉनिटरिंग नहीं होने से दिक्कतें आ रही थी। तत्कालीन समय में श्री गुलाबचंद कटारिया ने यूआईटी क्षेत्र में भी सफाई की व्यवस्था नगर निगम के माध्यम से किए जाने के निर्देश दिए। उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन और ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा ने भी इन प्रयासों को आगे बढ़ाया। जिला कलक्टर अरविन्द

पोसवाल ने इसे गंभीरता से लेते हुए तत्कालीन युआईटी और वर्तमान यूडीए क्षेत्र का भ्रमण कर स्थिति की जानकारी ली। इसके पश्चात यूडीए और नगर निगम के जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की लगातार बैठकें लेकर संपूर्ण उदयपुर शहर की सफाई व्यवस्था माकूल करने पर जोर दिया। जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की पहल पर आखिरकार नगर निगम ने यूडीए क्षेत्र की व्यवस्था भी अपने हाथ में लेने की सहमति दी। इसका भुगतान यूडीए की ओर से नगर निगम को किया जाना तय किया गया। युडीए क्षेत्र को 4 जोन में विभक्त करते हुए टेण्डर प्रक्रिया की गई। यूडीए जोन 1 व 2 की टेण्डर प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद सोमवार से सफाई एवं घर-घर कचरा संग्रहण का कार्य प्रारंभ हुआ। नगर निगम परिसर में सोमवार सुबह उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन, उदयपुर ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा, महापौर गोविन्दसिंह टांक, जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल, यूडीए आयुक्त राहुल जैन, निगम आयुक्त राम प्रकाश, उप महापौर पारस सिंघवी के आतिथ्य में कचरा संग्रहण वाहनों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान वेणीराम सालवी, मनोहर चौधरी, सीए आशीष कोठारी, छोगा लाल भोई, अधिकारी सत्यनारायण शर्मा, नरेंद्र श्रीमाली, सुभाष चन्द्र शर्मा, लखन लाल बैरवा सहित जनप्रतिनिधि व नगर निगम अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रथम चरण में यूडीए के जोन-1 एवं 2 के 26 हजार से अधिक घरों से कचरा संग्रहण किया जाएगा। इसके लिए क्रमशः 22 तथा 24 ऑटो लगाए गए हैं। उक्त ऑटो जोन-1 के तहत सविना, वीडियो कॉलोनी, तितरड़ी, समता विहार, सर्वोदय नगर, गोवर्द्धनविलास, बलीचा, धौल की पाटी, ट्रांसपोर्टनगर, दक्षिण विस्तार, पन्नाधाय नगर व इंद्रानगर क्षेत्र तथा जोन-2 में मीरानगर द्वितीय, रेबारियों का गुड़ा, पुराना आरटीओ, नेशनल हाइवे-76, कृष्णा विहार, ढिंकली, कोचीनगर, पेसिफिक युनिवर्सिटी, देबारी, भैरवनगर, डांगियों की पंचौली, धौलामगरी, पुरोहितों की मादड़ी, कालाभाटा, मनवाखेड़ा आदि क्षेत्रों में घर-घर कचरा संग्रहण करेंगे। युडीए जोन-1 के लिए नगर निगम को 2 करोड़ 82 लाख तथा जोन-2 के लिए 3 करोड़ 22 लाख 56 हजार रूपए का भुगतान करेगा।

विशेष योग्यजन परिक्षण शिविर में पहले दिन 90 को किया चिंहित

संजीवनी टुडे

सलूंबर। ।जिसका कोई अंत है वो किनारा या छोर नहीं हूँ, महज़ एक शाम बनकर ढल जाये वो भोर नहीं हूँ, अब कोई कठिनाई कैसी जब हौसला है साथ मेरे, विशेष योग्यजन लगता तन से हूँ मन से में कमज़ोर नहीं हूँ विशेष योग्यजन का जुनून, उनकी हर जीत यह बताती है कि वो कितने समर्थ हैं, एडीप योजना अंर्तगत सोमवार को सलूंबर पंचायत समिति परिसर में विशेष योग्यजन परिक्षण शिविर के पहले दिन कुछ ऐसा ही नजारा था। प्रशासन पर भरोसा हो, तो थके हुए पैरों में भी जान आ जाती है। शिविर में परिजनों के साथ, तो कुछ अकेले ही शिविर में पहुंचे, लेकिन वहां उपस्थित अधिकारियों-कर्मचारियों ने परिवार के सदस्य की तरह उनको सुना और रजिस्ट्रेशन के बाद आवश्यकतानुसार परामर्श देकर विभागीय काउंटर पर ले गए। समाज कल्याण अधिकारी हेमन्त खटीक ने बताया कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप जिले के सभी विशेष योग्यजन को निशुल्क सहायक उपकरणों से लाभान्वित करने के उद्देश्य से जिले के प्रत्येक पंचायत समिति मुख्यालय पर दिव्यांगजन परिक्षण शिविर लगाए जा रहे हैं। शिविर आयोजित करने के पीछे उद्देश्य है कि एक भी दिव्यांगजन एडीप योजना के लाभ से वंचित न रहे। विशेष योग्यजन के लिए राज्य और केंद्र

सरकार की ओर से विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ पात्र विशेष योग्यजन को दिलवाने के लिए जिले में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

शिविर के पहले दिन 90 विशेष योग्यजन को चिंहित किया गया और विशेष योग्यजन को निशुल्क सहायक उपकरण के लिए पंजीकरण किया गया और विशेष योग्यजन के पहले से ऑफलाइन दिव्यांगता प्रमाण पत्र बने हुए थे, उनको ई-मित्र के माध्यम से यूडीआईडी बनवाई गई। जिले में एक भी पात्र विशेष योग्यजन सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों के लाभ से वंचित न रहे। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, सलूंबर के हेमन्त खटीक ने बताया कि 3 सितंबर झल्लारा,4 सितंबर लसाडिया, 5 सितंबर सराडा,6 सितंबर सेमारी,7 सितंबर जयसमंद में शिविर आयोजित किए जाएंगे और समस्त पंचायत समिति के विकास अधिकारीयो को शिविर प्रभारी बनाया गया है और संबंधित पंचायत समिति मुख्यालयों पर प्रातः 10 बजे से 5 बजे तक शिविर आयोजित किये जाएंगे और विशेष योग्यजन किसी भी पंचायत समिति मुख्यालय शिविर में पहुंच कर अपना पंजीकरण करवा सकते हैं। इस कार्यक्रम में दिनेश चंद्र पाटीदार अति मुख्य कार्यकारी अधिकारी सलूंबर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर जेपी बुनकर, हेमंत खटीक जिला समाज कल्याण अधिकारी सलूंबर, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सलूंबर ममता जाखड़ , खुमान सिंह विकास अधिकारी सलूंबर, अनिलचास्ता, घेबीलाल अतिरिक्त विकास अधिकारी सलूंबर,सत्यराज छात्रावास अधीक्षक,भवानी शंकर मीणा सहायक लेखा अधिकारी, माया सालवी, कृष्णा कल्याण संस्थान एवं अन्य कार्मिक और अधिकारीगण उपस्थित रहे।

भाजपा - कांग्रेस नींद उडाने अब सलूंबर विधानसभा मे बीएपी भी मैदान मे

संजीवनी टुडे

सलूंबर। सलूंबर विधानसभा के विधायक अमृतलाल मीणा की असामयिक मृत्यु होने के बाद उप चुनाव की अटकले तेज हो चुकी है ऐसे में कांग्रेस,बीजेपी के बाद तीसरे मोर्चे के रूप में उभरी बीएपी ने भी अपनी पूरी तैयारी कर ली है हाल में सलूंबर विधानसभा के तीन ब्लॉक से एक एक दावेदार घोषित कर दिए है। जिसमे सलूंबर से देवीलाल एडवोकेट,सराडा से जीतेश कटारा पूर्व प्रत्याशी और जयसमंद से विकास कुमार मीणा ने दावेदारी की है।शिक्षा को लेकर देखा जाए तो जयसमंद से देवीलाल एडवोकेट एवं समाजसेवी है।जीतेश कटारा एम.ए और विकास कुमार मीणा समाजशास्त्र और अर्थशास्त्र से एम ए किऐ हुए है और हाल पीएचडी स्कॉलर है विकास कुमार मीणा पहले जनजातीय विश्वविद्यालय में केंद्रीय छात्रसंघ अध्यक्ष रह चुके है 2018 में कॉलेज चुनाव राजकीय महाविद्यालय सराडा में मीणा के नेतृत्व में एस सी/एस टी मोर्चा से तीसरे मोर्चे के रूप में चुनाव लडा और एनएसयूआई और एबीवीपी के छक्के छुड़ा दिए थे।एक महासचिव निर्विरोध जिताया और शेष पद पर दूसरे नंबर पर रहे थे उसके बाद एससी,एसटी मोर्चे का भील प्रदेश विधार्थी मोर्चे में विलय कर दिया।जो लगातार कॉलेज चुनाव जीत रहा है।जिसमे कटारा भी काफी सक्रिय थे।मीणा जनजाति शोध परिषद के अध्यक्ष और संरक्षक भी रह चुके है ये छात्र राजनीति से ही सक्रिय थे सामाजिक स्तर पर भी काफी सक्रिय और पकड़ है।जीतेश कटारा पिछले विधानसभा चुनाव में 51 हजार वोट लाकर तीसरे स्थान पर रहे।अब आगे एक चरण जो चयन प्रणाली है उसमे कोन बाजी मारता है ये विधानसभा के लोग इसका चुनाव करेंगे। उसके बाद ही प्रत्याशी का पता चलेगा।

आवारा पशुओं को गोशालाओं से छुड़वाने पर जुर्माना देना होगा: आयुक्त नगर परिषद

संजीवनी टुडे

पाली। शहर में आवारा पशुओं की वजह से सड़कों पर आमजन के साथ दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहता है और रात के समय में अधिकांश आवारा पशुओं के सड़को के बीच बैठने से भी वाहनों को दिक्कत का सामना करना पड़ता है। जिला कलेक्टर एलएन मंत्री के निर्देशों की पालना में आयुक्त नगर परिषद ने इस बारे में में सभी पशुपालकों से अपील की है कि शहर के मुख्य मार्गो व गली मोहल्ले में जिस किसी के भी निजी पशु आवारा घूम रहे हैं उन्हें स्वयं अपने निर्धारित स्थान पर लेकर जाए अन्यथा नगर परिषद द्वारा आवारा पशुओं को पकड़ने की कार्यवाही कर दौरान उन्हें भी पकड़ कर ले जाने की कार्यवाही की जाएगी। आयुक्त नगर परिषद ने बताया कि उन सभी पशुओं को पाली शहर की अधिसूचित गौशालाओं में छोड़ा जाएगा।

उन्होंने बताया कि पकड़े गए निजी पशुओं को गोशालाओं से छुड़वाने पर नगर परिषद द्वारा जुर्माना भी लिया जाएगा व गोशाला में रसीद दिखाने पर ही छोडा जाएगा। इसके उपरांत भी दुबारा पकड़े जाने पर राज्य सरकार के निर्देश अनुसार कार्यवाही की जाएगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी पशुपालक की होगी। उन्होंने सभी पशुपालकों से अपील कि है की स्वयं अपने-अपने पशुओं को अपने निर्धारित स्थान पर बांध कर रखे।

मुख्यमंत्री बजट घोषणा से मिल रही किसानों को राहत: पर्यावरण हितैषी वर्मीकम्पोस्ट से कृषक कल्याण का सपना हो रहा साकार

संजीवनी टुडे

वर्मीकम्पोस्ट इकाई निर्माण के लिए मिल रहा अनुदान, किसानों से लाभ उठाने का आह्वान

उदयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में प्रदेश की कृषक हितैषी सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कृषकों के कल्याण के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताते हुए कई नवाचारों को अपनाया है। इसी श्रृंखला में परम्परागत खेती में रासायनिक खादों का अंधाधुंध प्रयोग रोकने और मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाने के लिए राजस्थान सरकार ने बजट घोषणा 2024-25 अनुरूप वर्मी कंपोस्ट इकाई निर्माण (स्थायी संरचना) कार्यक्रम के तहत अनुदान के लिए ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया शुरू की है। इस प्रक्रिया के तहत उदयपुर जिले में भी किसानों से वर्मी कंपोस्ट इकाई निर्माण के लिए अनुदान दिया जा रहा है। रासायनिक उर्वरकों से खेती की बढ़ती हुई लागत को कम करने और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए पारंपरिक खेती की ओर किसानों का रुझान बढ़ाने के लिए वर्मी कंपोस्ट को प्रोत्साहित करते हुए राज्य सरकार द्वारा जैविक खेती को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इससे फसलों को

उचित पोषण मिलने पर उनकी बढ़ोतरी होगी और किसानों की आय में भी बढ़ोतरी होगी। वर्मीकम्पोस्ट एक जैविक खाद है जो कीड़ों, विशेषकर अर्थ वॉर्म के माध्यम से तैयार किया जाता है। इसे खेती में उपयोग करने के कई लाभ हैं। यह मिट्टी की उपजाऊ शक्ति को बढ़ाता है, जिससे फसलों की वृद्धि में सुधार होता है। वर्मीकम्पोस्ट मिट्टी की संरचना को बेहतर बनाता है, जलधारण क्षमता को बढ़ाता है और सूक्ष्मजीवों की गतिविधि को प्रोत्साहित करता है। यह रासायनिक उर्वरकों के मुकाबले अधिक इको-फ्रेंडली है, जिससे मिट्टी और पानी की गुणवत्ता में सुधार होता है। इसके उपयोग से कृषक लागत में कमी कर सकते हैं और उत्पादन में आशातीत सफलता को देखा जा सकता है। संयुक्त निदेशक कृषि (विस्तार) सुधीर वर्मा ने बताया कि राज किसान साथी पोर्टल पर आवेदन करने पर 'पहले आओ-पहले पाओ' के आधार पर किसान को अनुदान मिलेगा। आवेदनों की अधिकता की स्थिति में लॉटरी प्रक्रिया अपनाई जाएगी। स्थायी वर्मी कम्पोस्ट यूनिट बनाने वाले जिले में जैविक खेती करने वाले किसानों के लिए वरदान साबित होगी। इससे किसानों का जैविक खेती के प्रति रूझान भी बढ़ेगा। वर्मा ने बताया कि उदयपुर जिले को वर्मी कंपोस्ट की 100 स्थाई इकाई निर्माण के लक्ष्य आवंटित किए गए हैं। स्थायी वर्मी कंपोस्ट इकाई की स्थापना करने पर किसानों को लागत का 50 प्रतिशत या अधिकतम 50 हजार रुपये का अनुदान मिलेगा। इसके लिए किसान ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। वर्मी कंपोस्ट उपयोग से मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरा शक्ति को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री बजट घोषणा में वर्मी कंपोस्ट इकाई स्थापना कार्यक्रम की शुरुआत के लिए विभाग की ओर से दिशा निर्देश जारी किए गए है। स्थाई वर्मी कंपोस्ट इकाई पर अनुदान के लिए किसान के पास एक स्थान पर न्यूनतम कृषि योग्य 0.4 हेक्टेयर जमीन होनी चाहिए। यह यूनिट लगाने के लिए किसानों को नजदीकी ई-मित्र केन्द्र पर जाकर या खुद के स्तर पर राज किसान पोर्टल पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ऑफलाइन आवेदन पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यह है तकनीकी आवश्यकताएं

वर्मा ने बताया कि वर्मी कंपोस्ट इकाई की स्थापना के लिए 30 फ़ीट गुणा 8 फ़ीट गुणा 2.5 फ़ीट आकार के पक्के निर्माण के साथ वर्मी कंपोस्ट इकाई बनाने के बाद आवेदन उपरांत जिला अधिकारी या प्रतिनिधि कृषि पर्यवेक्षक, सहायक कृषि अधिकारी द्वारा इकाई के भौतिक सत्यापन के बाद ही अनुदान जारी किया जाएगा। इसमें तकनीकी रूप से पक्के शेड की ऊंचाई बीच में कम से कम 10 फीट और किनारे से 8 फीट हो। एक इकाई के लिए कम से कम 60 किलोग्राम केंचुए एटीसी, रजिस्टर्ड गैर सरकारी संस्थान, गौशाला, कृषि विज्ञान केन्द्र, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कृषि कॉलेज आदि से किसान खरीद सकते है। प्रत्येक बेड में 400-400 ग्राम ट्राइकोडर्मा, पीएसबी, एजोटोबेक्टर कल्चर एवं 1 किलो नीम की खली उपयोग में ली जानी चाहिए। अधिक जानकारी हेतु कृषक विभागीय वेबसाइट पर भी लॉग इन कर सकते है साथ ही राज किसान साथी पोर्टल के हेल्प डेस्क नंबर 0141 - 2927047, 2922613 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

महिला को ससुराल से भगा ले गया सरकारी टीचर: 2 साल पहले 12वीं पास की थी, लोगों का फूटा गुस्सा-टीचर सस्पेंड

संजीवनी टुडे

कुम्भलगढ़।राजसमंद जिले के कुंभलगढ़ में एक सरकारी स्कूल का टीचर, स्कूल की 2 साल पहले स्टूडेंट रही विवाहिता को उसके ससुराल से भगा ले गया। इसके बाद गुस्साएं ग्रामीणों ने स्कूल पर ताला लगा दिया और नारेबाजी की। ग्रामीणों ने आरोपी टीचर को पकड़ने की मांग की। विभाग ने आरोपी शिक्षक को सस्पेंड कर दिया है। अधिकारियों ने की ग्रामीणों से समझाइश स्कूल पर ताला लगाने और ग्रामीणों के प्रदर्शन की सूचना पर कुंभलगढ़ एसडीएम एसडीएम उपेंद्र कुमार शर्मा ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को मौके पर जाकर जल्द मामले को देखने के आदेश दिए। इसके बाद तहसीलदार विनोद कुमार जांगिड़, केलवाड़ा थाना अधिकारी विशाल गवारिया जाप्ते के साथ गांव पहुंचे और समझाइश की। मौके पर पहुंचे ब्लॉक शिक्षा अधिकारी शंभूलाल टांक ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए शिक्षक को सस्पेंड भी कर दिया गया है।

शिक्षक अभी फरार है। एक ग्रामीण ने बताया-कुंभलगढ़ के एक दूसरे स्कूल में टूर्नामेंट था, उसमें आरोपी टीचर की ड्यूटी लगी थी। 26 अगस्त से आरोपी टीचर स्कूल नहीं आ रहा था। आरोपी टीचर ने यहीं पर एक कमरा भी किराए पर ले रखा था, उसको भी 25 अगस्त को खाली कर दिया था। टूर्नामेंट कराने वाले स्कूल के प्रिंसिपल ने टीचर के स्कूल में फोन कर पूछा था कि 26 अगस्त से ये स्कूल में क्यों नहीं आ रहे हैं। जिस पर स्कूल स्टाफ ने भी संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन संपर्क नहीं हो पाया।

2 साल पहले स्कूल छोड़ दिया महिला ने

विवाहिता ने 12वीं की पढ़ाई के बाद 2 साल पहले स्कूल छोड़ दिया। विवाहिता छात्रा का ससुराल पास के ही एक गांव में है। लेकिन उसके ससुर की नौकरी होने के कारण जिले के दूसरे कस्बे में रहती है। विवाहिता छात्रा 29 अगस्त से घर से गायब थी। लड़की के ससुराल वालों ने गांव में भी फोन लगाया। दोनों के गायब होने का पता चलने पर लोगों को इसकी जानकारी लगी। सोमवार को ग्रामीण स्कूल पहुंचे और प्रदर्शन शुरू कर दिया। गांव वालों की मांग है कि स्कूल के इस शिक्षक के साथ पूरे स्टाफ को सस्पेंड किया जाना चाहिए। वहीं स्कूल में पढ़ने वाली एक और छात्रा ने आरोपी टीचर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। पुलिस ने टीचर के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

निजी भूखंडों पर भी कंटीली झाड़ियां हटवाने एवं साफ सफाई करवाने के लिए संबंधित को निर्देश दे

जिला कलक्टर ने लिस्ट साप्ताहिक समीक्षा बैठक

संजीवनी टुडे

डूंगरपुर। जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह ने बारिश के मौसम में मौसमी बीमारियों के व्यापक रूप से फैलने की संभावना के मद्देनजर साफ सफाई, झाड़ियां हटवाने, फोगिंग करवाने तथा निजी भूखंडों पर भी संबंधित मालिक को भूखंडों को सफाई करवाने, झाड़ियां आदि हटवाने के निर्देश देने को कहा। उन्होंने निर्देश सोमवार को साप्ताहिक समीक्षा बैठक में नगर परिषद अधिकारी को दिए। बैठक में उन्होंने पीएचईडी अधिकारी से जिले में पेयजल वितरण व्यवस्था, शहर में बाधित हो रही पेयजल वितरण व्यवस्था का पुनः व्यवस्थित संचालन करने, जल जीवन मिशन के माध्यम से सोम कमला आंबा से पानी वितरण की पुनः व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा पेंशन वेरिफिकेशन,

कन्यादान योजना की जानकारी दी। आगामी दिनों में शिविर आयोजन के लेकर के भी चर्चा कीगई। जिला कलक्टर ने पशुपालन विभाग की समीक्षा के दौरान संयुक्त निदेशक को बारिश के मौसम में ही अधिक बीमारियों की संभावना को देखते हुए वैक्सीनेशन के निर्देश दिए। वहीं, बजट घोषणा के अंतर्गत भूमि चिन्हित करने के बारे में जानकारी दी। जिस पर उन्होंने प्रस्ताव भेजने की जानकारी दी। बैठक में आईसीडीएस विभाग के द्वारा झौंथरी ब्लॉक में आज से ही पोषाहार वितरण शुरू करवाते हुए शत प्रतिशत वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करने एवं डाटा अपडेट करने के निर्देश दिए। साथ ही प्रभावी मॉनिटरिंग करने की भी बात कही। उन्होंने संपर्क पोर्टल पर प्रकरण, उनके निस्तारण के बारें में विभाग बार जानकारी ली वहीं ई फाइलिंग के लिए भी निर्देश दिए। बैठक में उन्होंने एवीएनएल, पीडब्ल्यूडी, कृषि विभाग, शिक्षा विभाग सहित अन्य विभागों के भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। बैठक में नवनियुक्त अतिरिक्त जिला कलक्टर दिनेश धाकड़, मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

प्रियंका की संगठन क्षमता पर भी उठ रहे हैं सवाल

दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश तक कांग्रेस में जारी कलह-कलेश थमने का नाम नहीं ले रहा है। कांग्रेस में नये-पुराने नेताओं के बीच अंतर्कलह मची है तो सोनिया और राहुल गांधी के समर्थक भी 'टकराव' की मुद्रा में हैं। सोनिया पुराने नेताओं की वफादारी की कायल हैं तो राहुल गांधी को युवा पीढ़ी के नेताओं पर ज्यादा भरोसा है। गांधी परिवार की खींचतान में बड़े-बड़े कांग्रेसी नेता गुटबाजी में लगे हैं तो पार्टी के प्रति समर्थित आम कांग्रेसी दुखी और हाशिये पर नजर आ रहा है। दिल्ली में जहां सोनिया-राहुल गांधी के बीच का सियासी मनमुटाव कांग्रेस के लिए मुसीबत का सबब बना हुआ है तो वहीं उत्तर प्रदेश में प्रदेश प्रभारी प्रियंका वाड्रा पर आरोप लग रहे हैं कि वह यूपी कांग्रेस को 'बर्बाद' करने में लगी हैं। गत दिनों कांग्रेस के 23 दिग्गज नेताओं द्वारा सोनिया गांधी को पार्टी की दिशा-दशा सुधारने के लिए पत्र लिखने के बाद उनके साथ दिल्ली में जैसा दुर्व्यवहार हुआ, वह किसी से छिपा नहीं है, लेकिन हद तो तब हो गई जब इन नेताओं के खिलाफ कांग्रेस की राज्य इकाइयों में भी विद्रोह की चिंगारी को जबर्दस्ती सुलगा दिया गया। इसी के चलते सोनिया को पत्र लिखने वालों में से एक उत्तर प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री जितिन प्रसाद को प्रदेश कांग्रेस की राज्य और जिला इकाइयों द्वारा बार-बार अपमानित किया गया। जितिन प्रसाद को अपमानित कराए जाने के पीछे प्रियंका वाड्रा का नाम सामने आ रहा है। सोनिया को लिखे पत्र की आड़ लेकर यूपी कांग्रेस में यहां के भी पुराने नेताओं के खिलाफ विरोध की चिंगारी पनपने लगी है। इस चिंगारी को प्रियंका द्वारा खूब हवा दी जा रही है। वर्ना जितिन प्रसाद सहित कुछ और पुराने दिग्गज कांग्रेसियों को अपमानित करने का सिलसिला ऐसे ही नहीं चलता रहता। कांग्रेस में पत्र प्रकरण धमाके के बाद उत्तर प्रदेश कांग्रेस में काफी दिनों से चल रही बदलाव की बयार ने और भी स्पीड पकड़ ली है। यह बदलाव संगठन में चेहरों के साथ ही पार्टी के तौर-तरीकों में भी देखने को मिल रहा है, जिन पुराने कांग्रेसियों को यह बदलाव रास नहीं आ रहे हैं, उन्होंने पार्टी से दूरी बना ली है।

दरअसल, जब से प्रियंका वाड्रा ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस के प्रभारी के रूप में कमान संभाली है, तब से कांग्रेस के पुराने और सोनिया-राहुल के वफादार नेताओं को साइड लाइन किए जाने का खेल चल रहा है। सबसे पहले प्रियंका ने पार्टी के प्रदेश नेतृत्व में बदलाव किया। उसके बाद प्रदेश से लेकर जिला संगठन इकाइयों में भी अपनी पसंद के लोग रखना शुरू कर दिया। यूपी कांग्रेस में सभी महत्वपूर्ण पदों पर प्रियंका की विचारधारा के लोगों को तरजीह देने का आरोप लम्बे समय से लग रहा है। कहा यह भी जा रहा है कि प्रियंका के आने के बाद संगठन में ऐसे नेताओं को आगे किया जा रहा है, जिनकी सियासी जमीन ही नहीं है। इसीलिए कांग्रेस का जनाधार खिसकता जा रहा है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के बड़े धड़े को लगता है कि दिल्ली में सोनिया-राहुल के पास इतना समय ही नहीं है कि वह यूपी कांग्रेस का विवाद सुलझा पाएं। प्रदेश कांग्रेस के कई नेता यह आरोप भी लगा रहे हैं कि प्रदेश का नेतृत्व प्रियंका के हाथों में आने के बाद से पार्टी में बातचीत के दरवाजे बंद हो गए हैं। मौजूदा संगठन से किसी भी तरह की शिकायत पर शीर्ष नेतृत्व को न तो बताया जा सकता है और न ही उन्हें भरोसे में लेकर स्थितियों के बदलाव की उम्मीद की जा सकती है, जो नेता गांधी परिवार की विचारधारा से हटकर पार्टी हित में कुछ बोल देता है तो उसे बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। यूपी में एक एक बाद एक नेताओं के खिलाफ लगातार हो रहीं कार्रवाइयां भी इसी का हिस्सा हैं। पहले पार्टी से दस वरिष्ठ नेताओं को बाहर का रास्ता दिखाया गया। इसी तरह से रायबरेली सदर के पूर्व विधायक दिवंगत अखिलेश सिंह की विधायक पुत्री अदिति सिंह के प्रकरण में भी उनकी बात सुने बिना लखनऊ से लोगों को उनके आवास पर प्रदर्शन के लिए भेज दिया गया। जितिन प्रसाद के मामले में भी प्रियंका और पूर्व सांसद जफर अली नकवी के इशारे पर उनके खिलाफ नारेबाजी हुई। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के बड़े नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद को लखीमपुर खीरी में विरोध का सामना करना पड़ा। सोनिया गांधी को पत्र लिखने वाले नेताओं में जितिन प्रसाद का भी नाम था। इसी के बाद उनके खिलाफ पार्टी में जहर उगला जाने लगा। हद तो तब हो गई जब कांग्रेस की लखीमपुर जिला इकाई ने जितिन प्रसाद को पार्टी से निष्कासित करने का प्रस्ताव पास कर दिया। इतना बड़ा कदम जिला इकाई बिना हाईकमान के इशारे से कर ही नहीं सकती थी। प्रस्ताव पर जिलाध्यक्ष प्रहलाद पटेल और लखीमपुर खीरी के अन्य पदाधिकारियों ने हस्ताक्षर किए थे।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित किये जाने की पहल

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्ज़ा दिया जाने की मांग करते हुए कहा है कि गाय का भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण स्थान है। गाय को भारत देश में मां के रूप में जाना जाता है और देवताओं की तरह उसकी पूजा होती है। गाय भारत के लिये केवल एक जन्तु नहीं है, बल्कि वह जन-जन की आस्था का केन्द्र है। मां के दूध के बाद केवल गाय के दूध को ही अमृत तुल्य माना गया है। गौवंश संवर्धन देश की जरूरत है। गाय के संरक्षण, संवर्धन का कार्य मात्र किसी एक मत, धर्म, संप्रदाय या सरकार का नहीं है बल्कि गाय भारत की संस्कृति है और संस्कृति को बचाने का काम देश में रहने वाले हर एक नागरिक, चाहे वह किसी भी धर्म की उपासना करने वाला हो, की जिम्मेदारी है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जरूरत है गाय के महत्व को समझने की, इसी महत्व को समझते हुए कोर्ट ने कहा कि गाय के संरक्षण को हिंदुओं के मौलिक अधिकार में शामिल किया जाए। कोर्ट की यह दृष्टि एवं जागरूकता भारत संस्कृति का सम्मान है, उसके गौरव की अभिवृद्धि का उपक्रम है। इस सराहनीय पहल के लिये कोई धन्यवाद की पात्र है।

राजनीतिक एवं साम्प्रदायिक आग्रहों एवं स्वार्थों के चलते गौ-हिंसा एवं अत्याचार को जायज नहीं ठहराया जा सकता। इस तरह की धर्म एवं आस्था से जुड़ी भावनाओं में अहिंसा एवं मानवीयता जरूरी है। गाय का संरक्षण पूरी तरह मानवतावादी कृत्य है, उसकी हिंसा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। इन्हीं सन्दर्भों के साथ भारतीय शास्त्रों, पुराणों व धर्मग्रंथ में गाय के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कोर्ट ने कहा कि भारत में विभिन्न धर्मों के नेताओं और शासकों ने भी हमेशा गो संरक्षण की बात की है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 48 में भी कहा गया है कि गाय नस्ल को संरक्षित करेगा और दुधारू व भूखे जानवरों सहित गौ हत्या पर रोक लगाएगा। भारत के 29 राज्यों में से 24 में गौ हत्या पर प्रतिबंध है।

गौ हत्या के आरोपी जावेद की जमानत अर्जी नामंजूर करते हुए न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव ने कहा कि सरकार को संसद में बिल लाकर गाय को मौलिक अधिकार में शामिल करते हुए राष्ट्रीय पशु घोषित करना होगा और उन लोगों के विरुद्ध कड़े कानून बनाने होंगे, जो गायों को नुकसान पहुंचाते हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि जब गाय का कल्याण तभी इस देश का कल्याण होगा। गौ-हत्या अराष्ट्रीय एवं अमानवीय कृत्य हैं। गौ हत्या जारी रही तो यह देश के लिए घातक होगा। क्योंकि इस भारत भूमि पर गौ माता को किसी भी तरह का कष्ट देना, देश को अशांत करना है। इसकी अशांति स्वप्न में भी दूर नहीं हो सकती क्योंकि इस राष्ट्र के लोगों को पता ही नहीं कि एक अकेली गाय का आर्तनाद सौ-सौ योजन तक भूमि को श्मशान बना देने में सक्षम है। इसीलिये महात्मा गांधी ने कहा था- गौवध को रोकने का प्रश्न मेरी नजर में भारत की स्वतंत्रता से अधिक महत्वपूर्ण है।

विचार बिन्दु

ललित गर्ग

यह अपेक्षित है कि गौमांस का किसी भी रूप में वैध बूचडखानों तक में नामोनिशान न हो। गौवंश का कारोबार केवल दूध व डेयरी उत्पादन के लिए ही हो। हमें नहीं भूलना चाहिए कि दुग्ध उत्पादन से लेकर डेयरी उद्योग के विभिन्न कार्यों में मुसलमान नागरिक बहुतायत में लगे हुए हैं और उनकी रोजी-रोटी इसी से चलती है। कानून का पालन करना इनका भी पहला धर्म है और गौवंश की रक्षा करने में इन्हें भी अपना योगदान देना होगा और भारत के सुदूर गांवों में कुछ अपवादों को छोड़ कर मुस्लिम नागरिक अपना यह कत्र्तव्य निभाते भी हैं।

आज जब दुनिया के बहुत से देश अपनी संस्कृति को भुलाते जा रहे हैं और भारतीय संस्कृति हजारों वर्षों के संघर्ष के बाद भी कायम है तो इसके मूल में कहीं न कहीं गाय है। गाय हमारी संस्कृति की प्राण है, चेतना है। प्राचीन काल से ही गाय भारतीय संस्कृति व परंपरा का मूलाधार रही है। गंगा, गोमती, गीता, गोविंद की भांति शास्त्रों में गाय भी अत्यंत पवित्र मानी गई है। गोपालन व गो-सेवा तथा गोदान की हमारी संस्कृति में महान परंपरा रही है। गो-सेवा भी सुख व समृद्धि का एक मार्ग है। वेद-पुराण, स्मृतियां सभी गो-सेवा की उत्कृष्टता से ओत-प्रोत हैं। भारतीय संस्कृति के अनुसार धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष पुरुषार्थों का साधन भी गौमाता ही रही हैं। दरअसल भारत की संस्कृति मूल रूप से गो-संस्कृति कही जाती है। गाय श्रद्धा के साथ-साथ हमारी अर्थव्यवस्था, स्वास्थ्य एवं संस्कृति का प्रमुख आधार है। हिन्दू धर्म में गाय का महत्व इसलिए नहीं रहा कि प्राचीन काल में भारत एक कृषि प्रधान देश था और आज भी है और गाय को अर्थव्यस्था की रीढ़ माना जाता था। भारत जैसे और भी देश है, जो कृषि प्रधान रहे हैं लेकिन वहां गाय को इतना महत्व नहीं मिला जितना भारत में। दरअसल हिन्दू धर्म में गाय के महत्व के कुछ आध्यात्मिक, धार्मिक और चिकित्सीय कारण भी रहे हैं। गाय एकमात्र ऐसा पशु है जिसका सब कुछ सभी की सेवा में काम आता है। गाय का दूध, मूत्र, गोबर के अलावा दूध से निकला घी, दही, छाछ, मक्खन आदि सभी बहुत ही उपयोगी है। वैज्ञानिक कहते हैं कि गाय एकमात्र ऐसा प्राणी है, जो ऑक्सीजन ग्रहण करता है और ऑक्सीजन ही छोड़ता है, जबकि मनुष्य सहित सभी प्राणी ऑक्सीजन लेते और कार्बन डाई ऑक्साइड छोड़ते हैं। पेड़-पौधे इसका ठीक उल्टा करते हैं। आजकल भूमि भी जहरीली होती जा रही है जिससे उसमें उगने वाली वनस्पतियों में विषाक्तता बढ़ती जा रही है। इसके लिए हमें गोबर की खाद का प्रयोग करना होगा, तभी हमारी भूमि बच सकती है। इसके लिए हमें गाय को बचाना होगा। देश में समय-समय पर गौहत्या के विरोध में आन्दोलन हुए हैं। 1967 में गौ-हत्या को लेकर उग्र आन्दोलन हुआ, संसद भवन को साधु-सन्तों ने घेरा था तो पुलिस ने उन पर बल प्रयोग किया था और लाठी-गोलियां भी चलाई थीं। तत्कालीन गृहमन्त्री स्व. गुलजारी लाल नन्दा को इस्तीफा देना पड़ा था। तत्कालीन इन्दिरा सरकार ने भारत की सांस्कृतिक एवं धार्मिक आस्था से जुड़े इस मसले को गंभीरता से नहीं लिया और उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा। अनेक धर्मगुरु एवं शंकराचार्यजी गौवंश के संवर्धन के लिए जीवनपर्यन्त समर्पित रहे और उन्होंने देश के विभिन्न स्थानों पर गौशालाएं व गोचर भूमि सृजन के लिए प्रयास किये। लेकिन वर्तमान में गाय भी राजनीति की शिकार हो गयी है। यही कारण है कि गौ के संरक्षण एवं गौ-उत्पाद को प्रोत्साहन देने की बजाय ऐसी मानसिकताएं तैयार हो रही है, जो गौ-हत्याओं को अंजाम देते हुए राजनीतिक स्वार्थ की रोटियां सेंकते हैं।

यह अपेक्षित है कि गौमांस का किसी भी रूप में वैध बूचडखानों तक में नामोनिशान न हो। गौवंश का कारोबार केवल दूध व डेयरी उत्पादन के लिए ही हो। हमें नहीं भूलना चाहिए कि दुग्ध उत्पादन से लेकर डेयरी उद्योग के विभिन्न कार्यों में मुसलमान नागरिक बहुतायत में लगे हुए हैं और उनकी रोजी-रोटी इसी से चलती है। कानून का पालन करना इनका भी पहला धर्म है और गौवंश की रक्षा करने में इन्हें भी अपना योगदान देना होगा और भारत के सुदूर गांवों में कुछ अपवादों को छोड़ कर मुस्लिम नागरिक अपना यह कत्र्तव्य निभाते भी हैं। आज राजनीतिक सोच बदल रही है, मतदाता भी बदल रहा है, सब कोई विकास चाहते हैं। हमें भारत को जोड़ना है, हिन्दू-मुसलमान का भेद समाप्त करना है, और इसके लिये जरूरी है कि गाय को लेकर राष्ट्रीय मुख्यधारा को बनाने व सतत प्रवाहित करने की। ऐसा करने में और करोड़ों को उसमें जोड़ने में अनेक महापुरुषों-संतों ने खून-पसीना बहाकर इतिहास लिखा है। क्योंकि इस तरह की मुख्यधारा न तो आयात होती है, न निर्यात। और न ही इसकी परिभाषा किसी शास्त्र में लिखी हुई है। जो देश, काल, स्थिति एवं राष्ट्रहित को देखकर बनती हैं, जिसमें हमारी संस्कृति, विरासत सांस ले सके। इसे हमें कलंकित नहीं होने देना है। कोर्ट ने सही कहा कि हमारे सामने ऐसे कई उदाहरण हैं जब-जब हम अपनी संस्कृति को भूले हैं तब-तब विदेशियों ने हम पर आक्रमण कर गुलाम बनाया है। आज भी हम न चेते तो अफगानिस्तान पर निरंकुश तालिबानियों का आक्रमण और कब्जे को हमें भूलना नहीं चाहिए। विडम्बना है कि हिंदुस्तान की बात नहीं होती, राष्ट्रीयता की बात नहीं होती, ईमान, इंसानियत और इंसान की बात नहीं होती।

वामन जयंती व्रत से भक्तों की सभी मनोकामनाएं होती हैं पूर्ण

वामन अवतार को विष्णु भगवान का प्रमुख अवतार माना जाता है। श्रीमदभागवत पुराण में वामन अवतार का उल्लेख मिलता है। कथन के अनुसार एक बाद देवता तथा दानवों में युद्ध हुआ। इस युद्ध में देवता दानवों से पराजित होने लगे। वामन जयंती का व्रत बहुत खास होता है। इस व्रत को वैष्णव लोग बहुत श्रद्धा से करते हैं, तो आइए हम आपको वामन जयंती व्रत के बारे में कुछ खास बातें बताते हैं। भादो महीने के शुक्लपक्ष की द्वादशी को वामन जयंती या वामन द्वादशी मनायी जा रही है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी शुभ तिथि को श्रवण नक्षत्र के अभिजित मुहूर्त में विष्णु भगवान के दूसरे रूप वामन भगवान का अवतार हुआ था। इस साल 29 अगस्त 2020 को वामन जयंती मनाई जा रही है। इस दिन सुबह भगवान वामन का षोडषोपचार पूजन करने के पश्चात चावल, दही इत्यादि वस्तुओं का दान करना अच्छा माना जाता है। शाम को पूजा कर समस्त परिवार वालों को भगवान का प्रसाद ग्रहण करना चाहिए। इस व्रत के प्रभाव से भगवान वामन प्रसन्न होते हैं और भक्तों की समस्त मनोकामनाओं पूरी होती हैं।

हिंदू मान्यताओं के अनुसार श्रवण नक्षत्र होने पर वामन जयंती का महत्व बढ़ जाता है। भक्तों को भगवान वामन की मूर्ति बनानी चाहिए और उनकी पूजा करनी चाहिए। जो व्यक्ति पूरी श्रद्धा से पूजा करता है उसे सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। वामन अवतार को भगवान विष्णु का प्रमुख अवतार माना जाता है। श्रीमदभागवत पुराण में वामन अवतार का उल्लेख मिलता है। कथन के अनुसार एक बाद देवता तथा दानवों में युद्ध हुआ। इस युद्ध में देवता दानवों से पराजित होने लगे। दानव अमरावती पर आक्रमण करने लगे तभी इन्द्र विष्णु के पास जाकर सहायता के लिए याचना करने लगे। तब विष्णु भगवान ने सहायता का वचन दिया और कहा कि वह वामन रूप धारण कर माता अदिति के गर्भ से जन्म लेंगे। दानवों के राजा बलि द्वारा देवताओं की हार से कश्यप जी ने अदिति को पुत्र प्राप्ति के लिए पयोव्रत का अनुष्ठान करने को कहा जाता है। तब भादो महीने की शुक्ल पक्ष की द्वादशी को वामन भगवान अदिति के गर्भ से अवतार लेते हैं और ब्राह्मण का रूप लेते हैं।

महर्षि कश्यप दूसरे कई ऋषियों के साथ मिलकर वामन भगवान का उपनयन संस्कार करते हैं। इस संस्कार में वामन बटुक को पुलह नामक के महर्षि ने यज्ञोपवीत संस्कार कराया। आंगिरस ने वस्त्र, अगस्त्य ने मृगचर्म, सूर्य ने छत्र, गुरु देव जनेऊ तथा कमण्डल, मरीचि ने पलाश दण्ड, भृगु ने खड़ाऊं, अदिति ने कोपीन, कुबेर ने भिक्षा पात्र तथा सरस्वती ने रुद्राक्ष माला दिए उसके बाद वामन भगवान पिता की आज्ञा लेकर राजा बलि के पास गए। उस समय राजा बली नर्मदा के उत्तर तट पर यज्ञ कर रहे थे। वामन भगवान ब्राह्मण का रूप धारण कर राजा बलि से भीख मांगने पहुंचें। उस समय वामन अवतार ने राजा बलि से केवल तीन पग भूमि मांगी। राजा बलि ने वामन के इस मांग पर सहमति व्यक्त की। इस पर वामन भगवान ने एक पैर से स्वर्ग था दूसरे पैर से पूरी पृथ्वी नाम ली। इसके बाद वह तीसरा पैर रखने के लिए राजा बलि से पूछे। इस पर राजा बलि भगवान का पैर रखने के लिए अपना सर दे देते हैं। राजा बलि के सिर पर पैर रखते हैं ही बलि परलोक चले जाते हैं। विष्णु भगवान प्रसन्न होकर राजा बलि को पाताल लोक का राजा बना देते हैं। इस तरह देवताओं को स्वर्ग वापस मिल जाता है और वह प्रसन्नता पूर्वक रहने लगते हैं। वामन जयंती का दिन खास होता है इसलिए इस दिन प्रातः जल्दी उठें और स्नान कर साफ कपड़े पहनें। उसके बाद घर के मंदिर की साफ-सफाई कर एक चौकी को साफ कर उस पर गंगाजल छिड़क कर साफ कपड़ा बिछाएं।

03 सितम्बर की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1783	अमेरिका और ब्रिटेन के बीच पेरिस की संधि के साथ क्रांतिकारी युद्ध समाप्त हो गया।
1833	अमेरिका में पहली सफल समाचार पत्र 'न्यूयार्क सन' बेंजामिन एच डे के द्वारा शुरू किया गया था।
1939	ब्रिटिश प्रधानमंत्री नेविले चेम्बरलिन द्वारा एक रेडियो प्रसारण पर ब्रिटेन और फ्रांस का जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा करने के साथ ही द्वितीय विश्व युद्ध शुरु हुआ।
1943	दूसरे विश्व युद्ध के दौरान मित्र राष्ट्रों ने इटली पर हमला किया।
1971	कतर स्वतंत्र राष्ट्र बना।
1984	दक्षिण फिलिपीन्स में आये एक भयानक तूफान की वजह से करीब 1300 मारे गए और सैकड़ों घायल हुए।
1998	नेल्सन मंडेला द्वारा गुट निरपेक्ष आंदोलन शिखर सम्मेलन में कश्मीर का मुद्दा उठाये जाने पर प्रधानमंत्री वाजपेयी ने कड़ी आपत्ति व्यक्त की। मुक्त कराने की इस कार्रवाई में कम से कम 200 लोग मारे गए थे जिनमे ज्यादातर स्कूली बच्चे थे।
2003	पाकिस्तान सरकार द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो पर देशद्रोह का मुकदमा चलाने का निर्णय।
2006	यूरोप का पहला त्रिवर्षीय चंद्र मिशन समाप्त। भारतीय मूल के भरत जगदेव ने गुयाना के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली।
2007	चीन के झिंगजियांग प्रान्त में चीनी व जर्मन विशेषज्ञों ने लगभग 16 करोड़ साल पुराने जीव के 17 दांत खोजने का दावा किया।

डॉक्टर कैसे बनें बिना नीट-2024

विचार बिन्दु

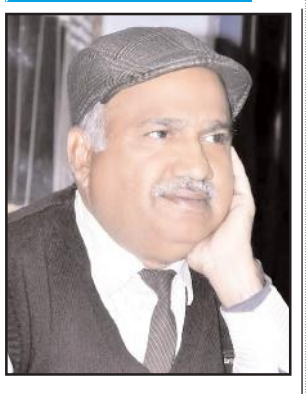

विजय गर्ग

फिजियोथेरेपी, या भौतिक चिकित्सा, का उद्देश्य बीमारी या चोटों का इलाज करना है जो किसी व्यक्ति की दिन-प्रतिदिन की गतिविधियों को सीमित करता है।

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) एमबीबीएस, बीडीएस और आयुष जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा (एनईईटी) आयोजित करती है। हर साल लगभग 15 लाख छात्र मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए उपस्थित होते हैं। हालांकि,नीटके लिए उपस्थित होना और फिर प्रवेश परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त करना आसान नहीं है। इस परीक्षा को पास करने के लिए सालों की तैयारी करनी पड़ती है। पिछले साल, 15.97 छात्रों ने एनईईटी-यूजी के लिए आवेदन किया था, लगभग 13 लाख छात्र उपस्थित हुए थे, और केवल 7,71,500 उत्तीर्ण हुए थे, जो आवेदन करने वालों के आधे से भी कम है। साथ ही, नीट परीक्षा में एआईआईअमअस इक्रक्रख्रट्ट और जेआईपीईआर के विलय के कारण प्रतिस्पर्धा का स्तर और अधिक बढ़ गया है, इसलिए कई उम्मीदवार नीट के बिना चिकित्सा पाठ्यक्रमों के लिए वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की तलाश कर रहे हैं। जो लोग चिकित्सा के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं, लेकिन एनईईटी परीक्षा में शामिल नहीं होना चाहते हैं, वे नीचे दिए गए पाठ्यक्रमों के माध्यम से जा सकते हैं। इसलिए यदि आप चिकित्सा और संबद्ध क्षेत्रों में करियर बनाने पर विचार कर रहे हैं, तो यहां विकल्पों की एक सूची दी गई है, जो आपको नीट क्रैक किए बिना चिकित्सा का अध्ययन करने में मदद कर सकते हैं।

होम्योपैथी, आयुर्वेद और यूनानी चिकित्सा की तेजी से बढ़ती वैकल्पिक प्रणालियां हैं। ये पाठ्यक्रम भी मुख्य चिकित्सा विषयों के समान शैक्षिक पैटर्न का पालन करते हैं, यानी इंटर्नशिप के साथ लगभग 5 साल का कार्यक्रम। पहले, चिकित्सा की इन प्रणालियों को एक अधिक निजी अभ्यास विकल्प माना जाता था, इन वैकल्पिक चिकित्सा क्षेत्रों पर अब सरकार द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कई नए संस्थान खोले जा रहे हैं और पुराने को बेहतर अनुसंधान और विकास के लिए इन शैक्षिक क्षेत्रों को स्थापित करने और मजबूत करने के लिए कहा गया है। भारत जैसे देश के लिए, प्रकृति और उसके तत्वों में हमारी संस्कृति के विश्वास और अनुभव के कारण, ये वैकल्पिक औषधीय क्षेत्र लगभग उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने कि पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र। फार्मेसी - यह कई विषयों का अध्ययन है जो फार्मास्युटिकल साइंस के अंतर्गत आते हैं उदाहरण के लिए खोज, दवा सुरक्षा, चिकित्सा रसायन शास्त्र, औद्योगिक फार्मेसी इत्यादि। जो फार्मासिस्ट बनना चाहते हैं वे 12 वीं के बाद बी फार्मेसी का विकल्प चुन सकते हैं। साथ ही, उम्मीदवारों को इस पाठ्यक्रम में प्रवेश पाने के लिए नीट परीक्षा में बैठने और अर्हता प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं है। बी फार्म। एक स्नातक कार्यक्रम है। उन्हें फार्मेसी की मूल बातें सिखाई जाएंगी। कोर्स पूरा करने के बाद छात्र सरकार से लेकर निजी क्षेत्र तक में काम कर सकते हैं। वे फार्मासिस्ट, केमिकल टेक्निशियन, ड्रग इंस्पेक्टर, हेल्थ इंस्पेक्टर, क्लिनिकल रिसर्च एसोसिएट आदि बन सकते हैं।

मनोविज्ञान - इस पाठ्यक्रम में मानव विकास, सामाजिक व्यवहार, खेल, स्वास्थ्य, नैदानिक ??और संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं जैसे विषय शामिल हैं। नीट दिए बिना 12वीं के बाद उम्मीदवार मनोविज्ञान में बैचलर ऑफ आर्ट्स (बीए) ऑनर्स का विकल्प चुन सकते हैं। यह एक पूर्णकालिक तीन वर्षीय स्नातक डिग्री पाठ्यक्रम है। स्नातक करने के बाद, वे आसानी से निजी और सरकारी क्षेत्रों में नौकरी पा सकते हैं। वे विश्वविद्यालयों, सरकारी एजेंसियों, क्लीनिकों, स्कूलों और अस्पतालों में काम कर सकते हैं। मनोविज्ञान स्नातक न केवल मनोवैज्ञानिक होते हैं बल्कि वे एक न्यूरोसाइंटिस्ट, मध्यस्थ आदि के रूप में काम कर सकते हैं।

नर्सिंग - इस क्षेत्र में स्वास्थ्य को बढ़ावा देना, बीमारी की रोकथाम और बीमार, विकलांग और मरने वाले लोगों की देखभाल शामिल है। यह एक पेशेवर पाठ्यक्रम है जो उम्मीदवारों को चिकित्सा उपचार के माध्यम से मानवता की सेवा करने के लिए तैयार करता है। उम्मीदवार बीएससी नर्सिंग का विकल्प चुन सकते हैं, जो चिकित्सा विज्ञान के क्षेत्र में 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम है। नर्सिंग पाठ्यक्रम से स्नातक होने के बाद वे नर्स शिक्षक, स्टाफ नर्स, पंजीकृत नर्स (आरएन) आदि के रूप में काम कर सकते हैं। फिजियोथेरेपी - इस क्षेत्र में, उम्मीदवारों को उस उपचार के बारे में पढ़ाया जाता है जो शारीरिक बलों जैसे गर्मी, बिजली, यांत्रिक दबाव और यांत्रिक बलों के माध्यम से किया जाता है। बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी भी सबसे अधिक मांग वाले करियर विकल्पों में से एक है।

मधुमेह रोगियों को लेना चाहिए योग का सहारा

हैल्थ संवाददाता

भारत में आज लगभग हर घर में आपको कोई न कोई मधुमेह का रोगी मिल ही जाएगा। वैसे तो आमतौर पर लोग इस बीमारी को कोई खास तवज्जो नहीं देते लेकिन एक बार इस बीमारी की जद में आ जाने के बाद इससे छुटकारा पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। साथ ही यह एक ऐसी बीमारी है कि जिसके बाद मनुष्य को बहुत सी चीजों से किनारा करना पड़ता है। इतना ही नहीं, कुछ समय पहले तक जहां यह एक उम्र के बाद ही लोगों को अपनी चपेट में लेता था, वहीं गलत खान-पान व जीवनशैली के कारण वर्तमान में कम उम्र के लोग भी इससे पीड़ित हो रहे हैं। ऐसे में यह बेहद आवश्यक है कि कुछ ऐसे उपाय किए जाएं, जिससे आपका शुगर कंट्रोल में रहे। मधुमेह को नियंत्रित रखने में योग आपके काफी काम आ सकता है। तो आईए जानते हैं मधुमेह को कंट्रोल करने वाले कुछ योगासनों के बारे में-

पश्चिमोत्तानासन- इस आसन से शरीर का पाचनतंत्र मजबूत होता है और शरीर में रक्त का संचार तेजी से होता है, जिससे व्यक्ति को डायबिटीज से लड़ने में आसानी होती है। यह आसन करने के लिए पैर सीधे फैलाकर बैठ जाएं। फिर दोनों हाथों को ऊपर उठाएं और सांस भरते हुए पैरों के तलवे को पकड़ने की कोशिश करें। घुटने से माथा सटना चाहिए। फिर सांस छोड़ते हुए हाथ ऊपर करके सामान्य हो जाएं। इस प्रक्रिया को दो से तीन पर बार दोहराएं।

सर्वांगासन: यह शरीर का संपूर्ण व्यायाम है। इसे करने से थॉयराइड और पैराथॉयराइड ग्रंथियों को मजबूती मिलती है। इसे करने के पहले सीधे लेट जाएं, फिर पैरों को धीरे-धीरे उठाते हुए 90 डिग्री का कोण बनाएं। हाथों से कमर को सहारा दें। इस आसन में शरीर का सारा भार गर्दन पर पड़ना चाहिए। पैरों को सीधा रखें।

अर्ध मत्स्येन्द्रासन: यह आसन यकृत व मूत्राशय को सक्रिय बनाता है। जिन लोगों के शरीर के भीतर इंसुलिन का उत्पादन नहीं होता या जिन्हें मधुमेह की बीमारी होती है, यह अभ्यास उनके शरीर में अग्नाशय को सक्रिय बनाकर इंसुलिन के उत्पादन में सहयोग देता है, इसलिए यह मधुमेह के उपचार के लिए रामबाण दवा है। इस आसन को करने के लिए सबसे पहले सामने की ओर दोनों पैरों को फैलाकर बैठ जाएं। अब दाहिने पैर को मोड़ते हुए बाएं घुटने के बगल में बाहर की ओर रखें। इसके बाद बाएं को दाहिने ओर मोडिए। एडी दाहिने नितम्ब के पास रहें। बाएं हाथ को दाहिने पैर के बाहर की ओर रखते हुए दाहिने पैर के टखने या अंगूठे को पकड़ें। दाहिना हाथ पीछे की ओर कमर में लपेटते हुए शरीर को दाहिनी ओर मोडें। अंतिम अवस्था में पीठ को अधिक से अधिक मोड़ने की कोशिश करें। एक मिनट इस अवस्था में रूकने के बाद धीरे-धीरे सामान्य अवस्था में आ जाएं। अब इसी क्रिया को विपरीत दिशा में करें। गर्भावस्था के दौरान व हृद्य रोगियों को यह आसन नहीं करना चाहिए।

प्राणायाम: प्राणायाम मधुमेह के रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद होता है। खासतौर से, भ्रामरी और भ्रस्त्रिका प्रणायाम तो डायबिटिक लोगों को जरूर करना चाहिए। इनके नियमित अभ्यास से स्ट्रेस लेवल कम होता है और शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है। भ्रामरी प्राणायाम करने के लिए पद्मासन में बैठ जाएं। अंगूठे से कान बंद करें और ऊपर की तीन उंगलियों को आंखों पर रखें। अब गहरी सांस लेते हुए गले से उच्चारण करें। भस्त्रिका प्रणायाम के लिए पद्मासन में बैठ जाएं। गहरी सांस लें और उसे जल्दी-जल्दी छोड़ें। इस प्रक्रिया में मुंह बंद रखें और सांस की सारी प्रक्रिया नाक से ही करें।

सूर्य नमस्कार: अगर आपके पास सभी आसनों को करने का पूरा समय नहीं है तो रोज दो से तीन बार सूर्य नमस्कार अवश्य करें। सिर्फ इस आसन को करने से भी आप काफी हद तक इस रोग को नियंत्रित कर सकेंगे। इससे श्वास, पेट और प्रतिरोधी क्षमता को लाभ पहुंचता है।

इन बातों का रखें ख्याल

अगर आप योग द्वारा मधुमेह का उपचार कर रही हैं तो कुछ बातों का ध्यान अवश्य रखें। सर्वप्रथम हमेशा खाली पेट ही योग क्रिया करें। साथ ही ढीले, हल्के व आरामदायक वस्त्र पहनकर ही योग करें। ऐसा जरूरी नहीं है कि आप सभी योगासन करें लेकिन जो भी करें, उसे सही ढंग से करें। साथ ही इसे चंद दिनों की चांदनी न बनाएं बल्कि जीवनपर्यन्त हमेशा करने की आदत डालिए। योगासन के अतिरिक्त अगर संभव हो तो सप्ताह में एक दिन नेती क्रिया या कुंजल क्रिया अवश्य करें। इन क्रियाओं को शुरूआत में किसी विशेषज्ञ की देख-रेख में ही करें।

'पपीते का रस वाकई है डेंगी की कारगर दवा'

डेंगी के मरीजों को पपीते के पत्ते से फायदा होता है या नहीं अभी इस पर सवालिया निशान हैं, लेकिन श्रीलंकाई वैज्ञानिकों की रिसर्च को ब्रिटिश मेडिकल जर्नल ने पब्लिश कर इसके यूज करने के तरीके पर गाइडलाइन जारी की है। जर्नल की इस स्टडी के अनुसार, पपीते के पत्ते से डेंगी के मरीजों में बुखार के पहले दिन से ही फायदा होता है। साथ ही, यह भी कहा गया है कि अभी तक जितनी भी स्टडी हुई है, किसी में इसके साइड इफेक्ट की बात सामने नहीं आई है। लेकिन, अभी तक न तो डब्ल्यूएचओ ने इसे रिकमंड किया है और न ही नैशनल गाइडलाइन में इसे शामिल किया गया है। इस रिसर्च पेपर का हवाला देते हुए गंगाराम अस्पताल के डॉक्टर प्रत्युष कुमार ने कहा कि पपीते के पत्ते के कई फायदे बताए गए हैं, जैसे- यह डेंगी फीवर के ड्यूरेशन को कम करता है, अस्पताल में मरीज के ठहराव को कम करता है, बॉडी से फ्ल्यूड लीक नहीं होने देता और वाइट ब्लड सेल्स और प्लेटलेट्स की संख्या को बढ़ाता है। डॉक्टर ने बताया कि इस स्टडी में यह भी कहा गया है कि बुखार कन्फर्म होने के पहले दिन से ही पपीते के पत्ते का रस दिया जा सकता है। हालांकि, यह रस कभी भी इस्तेमाल किया जा सकता है, क्योंकि अभी तक इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं देखा गया है। रिसर्च पेपर में कहा गया है कि अगर किसी को डेंगी पकड़ में आया है तो उसे तुरंत ऐलोपैथिक डॉक्टर से इलाज शुरू कराना चाहिए और पपीते के पत्ते का इस्तेमाल अलग से डेंगी मैनेजमेंट के लिए किया जा सकता है। पत्ते का जूस कभी भी किसी भी स्टेज में दिया जा सकता है। लेकिन, बुखार आने के पहले दिन से देने पर इसका फायदा बहुत ज्यादा होता है। इसमें कहा गया है कि यह जूस एक अडल्ट को 30 एमएल दिन में तीन बार दिया जाना चाहिए और बच्चों को 5 से 10 एमएल दिन में तीन बार दें। हालांकि इसमें यह भी कहा गया है कि जूस पीने के बाद एक घूंट पानी पी सकते हैं, ताकि इसका कड़वा टेस्ट खत्म हो जाए।

ऐसे तैयार करें पपीते का जूस

इस गाइडलाइन में जूस बनाने का तरीका भी बताया गया है। इसके मुताबिक सबसे पहले हेल्दी और फ्रेश पपीते के पत्ते को लें। इसे अच्छी तरह से धो लें और चॉप कर दें, इसके बाद 50 ग्राम पत्ते लें, इसमें 50 एमएल पानी (पानी गर्म करके ठंडा कर लें) और 25 ग्राम चीनी मिलाएं। इसे 15 मिनट तक मिक्स करें। मिक्स होने के बाद इसे 30 मिनट तक छोड़ दें, इसके बाद इससे जूस निकाल लें। जूस निकालने के लिए हाथों का ही यूज करें। इसके बाद यह जूस डेंगू मरीज को पिलाएं। एक बार तैयार किए गए जूस को 24 घंटे तक फ्रिज में रख सकते हैं।

दिव्य औषधीय गुणों से भरपूर है करेला

हैल्थ संवाददाता

लेटिन में मोर्डिका तथा अंग्रेजी में बिटर गॉर्ड के नाम से पुकारा जाने वाला करेला बेल पर लगने वाली सब्जी है। इसका रंग हरा होता है इसकी सतह पर उभरे हुए दाने होते हैं। इसके अंदर बीज होते हैं। यह अपने स्वाद के कारण काफी प्रसिद्ध है। इसका स्वाद बहुत कड़ुवा होता है इसलिए प्रायः कड़ुवे (बुरे) स्वभाव वाले व्यक्ति की तुलना करेले से कर दी जाती है। एक अच्छी सब्जी होने के साथ-साथ करेले में दिव्य औषधीय गुण भी होते हैं। यह दो प्रकार का होता है बड़ा तथा छोटा करेला। बड़ा करेला गर्मियों के मौसम में पैदा होता है जबकि छोटा करेला बरसात के मौसम में। चूंकि इसका स्वाद बहुत कड़ुवा होता है इसलिए अधिकांश लोग इसकी सब्जी को पसंद नहीं करते। इसके कड़वेपन को दूर करने के लिए इसे नमक लगाकर कुछ समय तक रखा जाता है।

करेला में पोषक तत्व

करेले की तासीर ठंडी होती है। यह पचने में हल्का होता है। यह शरीर में वायु को बढ़ाकर पाचन क्रिया को प्रदीप्त कर, पेट साफ करता है। प्रति 100 ग्राम करेले में लगभग 92 ग्राम नमी होती है। साथ ही इसमें लगभग 4 ग्राम कार्बोहाइट्रेट, 1.5 ग्राम प्रोटीन, 20 मिलीग्राम कैल्शियम, 70 मिलीग्राम फास्फोरस, 1.8 मिलीग्राम आयरन तथा बहुत थोड़ी मात्रा में वसा भी होता है। इसमें विटामिन ए तथा विटामिन सी भी होता है जिनकी मात्रा प्रति 100 ग्राम में क्रमशः 126 मिलीग्राम तथा 88 मिलीग्राम होती है।

गर्मियों के लिए अच्छा है करेला

नमी अधिक तथा वसा कम मात्रा में होने के कारण यह गर्मियों के लिए बहुत अच्छा है। इसके प्रयोग से त्वचा साफ होती है और किसी प्रकार के फोड़े-फुन्सी नहीं होते। यह भूख बढ़ाता है, मल को शरीर से बाहर निकालता है। मूत्र मार्ग को भी यह साफ रखता है। इसमें विटामिन ए अधिक होने के कारण यह आखों की रोशनी के लिए बहुत अच्छा होता है। रतौंधी होने पर इसके पत्तों के रस का लेप थोड़ी-सी काली मिर्च मिलाकर लगाना चाहिए। इस रोग के कारण रोगी को रात में कुछ भी दिखाई नहीं पड़ता। विटामिन सी की अधिकता के कारण यह शरीर में नमी बनाए रखता है और बुखार होने की स्थित मिं बहुत लाभकारी होता है। करेले की सब्जी खाने से कभी कब्ज नहीं होती यदि किसी व्यक्ति को पहले से कब्ज हो तो वह भी दूर ही जाती है। इससे एसीडिटी, छाती में जलन और खट्टी डकारों की शिकायत भी दूर हो जाती है।

बुखार में कारगर है करेला

बढ़े हुए यकृत, प्लीहा तथा मलेरिया बुखार में यह बहुत फायदेमंद सिद्ध होता है। इसके लिए रोगी को करेले के पत्तों या कच्चे करेले को पीसकर पानी में मिलाकर पिलाया जाता है। यह इस दिन में कम से कम तीन बार पिलाना चाहिए। कच्चा करेला पीसकर पिलाने से पीलिया भी ठीक हो जाता है। रस निकालने से पहले पत्तों या करेले को ठीक से रगड़कर धोना जरूरी होता है क्योंकि आजकल फल सब्जियों को रोगों तथा कीड़ों से बचाने के लिए अनेक रसायन छिड़के जाते हैं जो हमारे शरीर के लिए हानिकारक होते हैं। जोड़ों के दर्द तथा गठिया रोग में करेले की सब्जी बिना कड़ुवापन दूर किए दिन में तीनों समय अर्थात सुबह नाश्ते में और फिर दोपहर तथा रात्रि के भोजन में खाई जानी चाहिए। फोड़े-फुन्सी तथा रक्त विकार में करेले का रस लाभकारी होता है। इन पर करेले के पत्तों का लेप भी किया जा सकता है। करेले का रस निकालते समय यह ध्यान रखें कि यह बहुत ज्यादा पतला न हो और उसे साफ बर्तन में निकाला जाए।

कुष्टरोग में करेला है रामबाण

त्वचीय रोग, कुष्ठ रोग तथा बवासीर में करेले को मिक्सी में पीसकर प्रभावित स्थान पर हल्के-हल्के हाथों से लेप लगाना चाहिए। यह लेप नियमित रूप से रात को सोने से पहले लगाएं। जब तक इच्छित लाभ न हो लेप लगाना जारी रखना चाहिए। करेले के रस की एक चम्मच मात्रा में शक्कर मिलाकर पीने से खूनी बवासीर में लाभ होता है। यह शरीर में उत्पन्न टॉकसिन्स तथा उपस्थित अनावश्यक वसा को दूर करता है अतः यह मोटापा दूर करने में भी विशेष रूप से सहायक होता है।

जिस स्त्री को मासिक स्राव बहुत कठिन तथा दर्द भरा हो तो उसे भी करेले के रस का सेवन करना चाहिए। इसका सेवन गर्भवती स्त्रियों में दूध की मात्रा भी बढ़ाता है।

आयुर्वेद में हैं स्मरण शक्ति बढ़ाने वाली कई जड़ी बूटियाँ

स्मरण शक्ति का हमारे जीवन में क्या महत्व है इससे हम सभी परिचित हैं। दरअसल स्मरण शक्ति ही हमारे जीवन की दिशा निर्धारित करती है। अच्छी स्मरण शक्ति जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढ़ने में सहायक सिद्ध होती है। रोजमर्रा के जीवन में भी अनेक कार्य ऐसे होते हैं जो हम अपनी स्मरण शक्ति के आधार पर ही करते हैं। यदि यही स्मरण शक्ति क्षीण हो जाए तो निश्चय ही हम स्वयं को असहाय स्थिति में पाएंगे। तनाव एक ऐसा कारक है जो स्मरण शक्ति को कमजोर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। प्रायः तनावग्रस्त व्यक्ति ही तथ्यों को ठीक से याद नहीं रख पाते इसके अतिरिक्त गहरी दिमागी चोट, कोई घातक रोग या किसी शोक में पड़ने के कारण भी स्मरण शक्ति कमजोर पड़ जाती है। नशीले पदार्थों का ज्यादा मात्रा में लगातार सेवन करने से भी स्मरण शक्ति क्षीण होने लगती है। स्मरण शक्ति का प्रभाव उम्र से भी संबंधित होता है किशोरावस्था तथा नौजवानी में स्मरण शक्ति तेज होती है। बढ़ती उम्र के साथ-साथ स्मरण शक्ति भी घटती जाती है। जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सफलता के लिए अच्छी स्मरण शक्ति का खासा महत्व है इसलिए अच्छी स्मरण शक्ति की नींव बचपन से ही डाली जानी चाहिए। यदि बचपन से ही इस बात का ख्याल रखा जाए कि बच्चे की स्मरण शक्ति तेज हो तो आगे चलकर वह कुशाग्र बुद्धि वाला बनता है। आयुर्वेद में अनेक ऐसी जड़ी-बूटियां हैं जिनका प्रयोग स्मरण शक्ति को तेज करने के लिए प्राचीन काल से ही किया जा रहा है। एक से तीन वर्ष तक के बच्चों को ब्राह्मी तथा शंखपुष्पी का शरबत नियमित रूप से देना चाहिए। इनके प्रयोग से बच्चे हृष्ट-पुष्ट तथा कुशाग्र बुद्धि वाले बनते हैं। इसके अतिरिक्त बेल का शरबत भी मस्तिष्क को पुष्ट करता है। ब्राह्मी का शरबत बनाने के लिए 50 ग्राम ब्राह्मी के पत्ते लेकर कैंची से काटकर साफ कर लें। बाद में उसे पीस कर उबालें जब तक कि अधिकांश पानी वाष्पित न हो जाए। जब यह पानी केवल 250 ग्राम रह जाए तो उसमें लगभग 500 ग्राम चीनी डालकर दो तार की चाशनी होने तक पका लें। इसी प्रकार शंखपुष्पी का शरबत भी बनाया जा सकता है। शंखपुष्पी के फूल बाजार में आसानी से मिल जाते हैं। देखने में ये शंख जैसे लगते हैं। तीन वर्ष तक के बच्चों को इस शरबत की एक चम्मच मात्रा सुबह और इतनी ही मात्रा शाम को दी जा सकती है। इससे बच्चों के व्यक्तित्व का समग्र विकास होता है। आंवले, गाजर तथा सेब के मुरब्बे को एक साथ मिक्सी में पीसकर चटनी बना लें। बाद में इस चटनी में 5-5 ग्राम ब्राह्मी, शंखपुष्पी तथा जटामांसी का चूर्ण मिला लें। लगभग 10 ग्राम छोटी इलायची भी पीस कर इसमें मिला लें। इस चटनी को किसी साफ-सुधरे मर्तबान में संग्रहित कर लें। तीन से आठ वर्ष तक के बच्चों को यह चटनी दिन में तीन बार सुबह, दोपहर तथा शाम को आधी से एक चम्मच दें। इससे बच्चों की स्मरण शक्ति बढ़ती है। आठ से बीस वर्ष तक के बच्चों को एक अवलेह दिया जा सकता है। जिससे स्मरण शक्ति तेज होती है। इस अवलेह को बनाने के लिए कागजी बादाम की गिरी, अखरोट की गिरी, कच्चे चिलगोजे की 100-100 ग्राम मात्रा तथा 100 ग्राम चारों मगज (खरबूजा, तरबूज, खीरा तथा घीया) को मिलाकर ऑवले का पिसा हुआ मुरब्बा मिला लें। बाद में इस मिश्रण में ब्राह्मी शंख पुष्पी तथा जटांमासी का 10-10 ग्राम चूर्ण तथा छोटी इलायची का 20 ग्राम चूर्ण मिला ले। इस अवलेह को साफ मर्तबान में भरकर रखें। इस मिश्रण की एक-एक चम्मच मात्रा सुबह-शाम लें। इसे गुनगुने दूध के साथ भी लिया जा सकता है। इसके सेवन से स्मरण शक्ति तो दुरुस्त रहती है साथ ही यह हृदय, नेत्र तथा दांतों को भी पुष्ट करता है। बच्चों को भोजन के बाद मौसम के अनुसार यदि गाजर, घीया या फूल मखाने की खीर दी जाए तो इससे भी शरीर एवं मस्तिष्क स्वस्थ रहता है। कमलगट्टे के हलुए का सेवन सभी उम्र के लोग कर सकते हैं। मस्तिष्क के लिए यह अमृत के समान होता है। इसे बनाने के लिए कमलगट्टे के बीज निकालकर उसका छिलका उतार लें। इसका हरा भाग हटा दें। इसे पीसकर शुद्ध घी में गुलाबी होने तक भून लें बाद में इसमें चीनी तथा पिसी इलायची मिला लें। यह हलुआ शरीर को निरोग बनाए रखने में भी मदद देता है।

चोटिल सलमान ने शुरू की 'सिकंदर' की शूटिंग

मुंबई। सलमान खान इन दिनों अपनी अगली एक्शन ड्रामा फिल्म सिकंदर की तैयारी में हैं। फिल्म की अनाउंसमेंट इस साल ईद के मौके पर हुई थी और फिल्म अगले साल ईद के मौके पर रिलीज होगी। रश्मिका मंदाना फिल्म में लीड एक्ट्रेस के तौर पर नजर आएंगी। वहीं पिछले दिनों एक वीडियो काफी ज्यादा वायरल हो रही थी जिसमें सलमान खान एक इवेंट के दौरान सोफे से उठने के लिए संघर्ष कर रहे थे। इसके बाद से उनकी हेल्थ को लेकर काफी ज्यादा सवाल उठने लगे थे। वहीं खबर ये भी आ रही थी कि इसकी वजह से सिकंदर की शूटिंग भी प्रभावित हो सकती है।

लाइफ Style

सोनम

पर्दे पर करने वाली हैं वापसी

हाल में ही उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर उत्सुकता जाहिर की और अभिनय के प्रति अपने प्यार का इजहार किया। सोनम कपूर जल्द ही एक बार फिर पर्दे पर नजर आने वाली हैं। उन्होंने हाल में ही अपने पहले प्रोजेक्ट की शूटिंग को लेकर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

सोनम कपूर हिंदी सिनेमा की जानी-पहचानी अभिनेत्री हैं। उन्हें 'रांझणा', 'नीरजा' आदि फिल्मों के लिए जाना जाता है। अभिनेत्री लंबे समय से फिल्मी पर्दे से दूर हैं। उन्होंने गर्भावस्था और मातृत्व वाले ब्रेक के बाद से किसी भी फिल्म का हिस्सा नहीं बनी हैं। वह आखिरी बार साल 2023 की फिल्म 'ब्लाइंड' में नजर आई थीं। इस फिल्म को भी उन्होंने गर्भधारण से पहले शूट किया था। अब, एक बार फिर अभिनेत्री अपने बेटे वायु के जन्म के बाद कैमरे का सामना करने के लिए तैयार हैं। हाल में ही उन्होंने अपने आगामी प्रोजेक्ट्स को लेकर उत्सुकता जाहिर की और अभिनय के प्रति अपने प्यार का इजहार किया। सोनम कपूर जल्द ही एक बार फिर पर्दे पर नजर आने वाली हैं। उन्होंने हाल में ही अपने पहले प्रोजेक्ट की शूटिंग को लेकर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया है। उन्होंने कहा, मैं अपनी प्रेगनेंसी के बाद फिर से कैमरे का सामना करने के लिए बहुत उत्साहित हूं। मुझे एक अभिनय पसंद है और मुझे अपने पेशे के माध्यम से इतने सारे दिलचस्प किरदार जीना अच्छा लगता है। सोनम ने कहा वह अलग अलग तरह के इंसानों से प्रेरित होती हैं और उन्हें अपनी अलग अलग भूमिकाएं निभाना पसंद आता है।

हॉलीवुड मसाला

दुआ ने किया कॉन्सर्ट का ऐलान

लॉस एंजिलिस। ग्रैमी अवॉर्ड विनर सिंगर दुआ लीपा एक बार फिर भारत आने वाली हैं। वो नवंबर में मुंबई में एक कॉन्सर्ट करेंगी। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी कुछ पुरानी तस्वीरें भी शेयर की हैं, जो उस दौरान की है, जब वो इंडिया आई थीं। मालूम हो कि उन्होंने 2024 का नया साल भी यहीं पर मनाया था। वो जयपुर में थीं और भारतीय परंपरा-सभ्यता को करीब से देखा और जाना था। लीपा नवंबर में मुंबई में परफॉर्म करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 25 अगस्त को उन्होंने दिसंबर 2023 में अपनी भारत यात्रा की कई तस्वीरें शेयर कीं।

हयाओ को एशिया का नोबेल पुरस्कार

लॉस एंजिलिस। फेमस जापानी एनिमेटर हयाओ मियाजाकी को 2024 के रेमन मैग्सेसे अवॉर्ड के विनर के रूप में चुना गया है। शनिवार को फाउंडेशन ने इसकी पुष्टि की है। हयाओ को 'स्पिरिटेड अवे' जैसी फिल्मों के निर्देशन के लिए जाना जाता है। रेमन मैग्सेस अवॉर्ड को एशिया का नोबेल अवॉर्ड कहा जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, मियाजाकी ने 'माई नेबर टोटोरो', 'प्रिंसेस मोनोनोके', 'हाउल्स मूविंग कैसल', 'पोनीयो' और 'द बॉय एंड द हेरॉन' जैसी फिल्मों का निर्देशन किया है, जिसे क्रिटिक्स ने भी सराहा है। हयाओ मियाजाकी ने पर्यावरण संरक्षण और सद्भाव जैसे चुनौती से भरे विषय को दिखाते हुए कई एनिमेटेड फिल्में बनाईं और यंग जेनरेशन तक मैसेज पहुंचाया और प्रेरित किया।

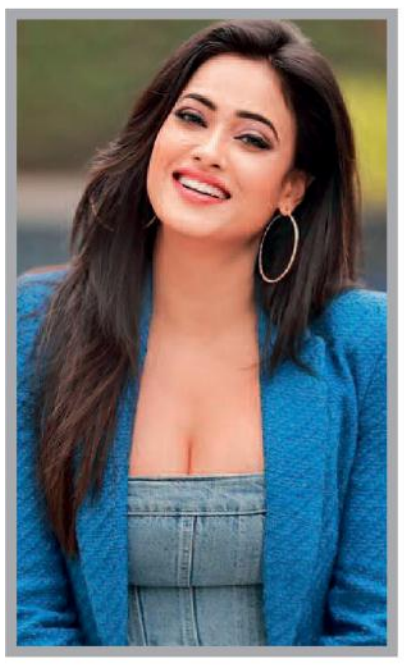

'टिप-टिप बरसा पानी' पर लगाई आग

मुंबई। रवीना टंडन ने अपने टाइम पर कई बेहतरीन फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी का परिचय दिया। वह एक अच्छी एक्ट्रेस होने के साथ-साथ कमाल की डांसर भी रही हैं। 'टिप टिप बरसा पानी' फेम एक्ट्रेस ने हाल ही में 'आपका अपना जाकिर' में शिरकत की। रवीना यहां मेहमान बनकर पहुंची। एक्ट्रेस के सामने श्वेता तिवारी के ऑइकॉनिक सॉन्ग पर पर परफॉर्मेंस दी, जिस पर बॉलीवुड अदाकारा की टिप्पणी सुन सबकी हंसी छूट गई। यलो साड़ी में पानी में भीगते हुए 'कसौटी जिंदगी की' एक्ट्रेस ने ऑइकॉनिक सॉन्ग पर ठुमके लगाते हुए सेंशुअस डांस किया। अपने गाने पर श्वेता को डांस करता देख रवीना ने एक्साइटमेंट जाहिर की। उन्होंने मजाकिया लहजे में कहा, 'मुझे जिंदगीभर का ट्रॉमा हो गया है।'

हनी सिंह को अपने ही गानों पर अफसोस

मुंबई। यो यो हनी सिंह के गानों पर लोग पूरी-पूरी रात पार्टी किया करते हैं। उनकी लाइफ और करियर में खूब उथल-पुथल रही और लंबे समय तक वह गानों से दूर भी रहे लेकिन इस दूरी ने दर्शकों के दिलों में कोई गैप नहीं बनने दिया। उनके गाने पर फैन्स की दीवानगी तब भी थी और आज भी है। हालांकि, हनी सिंह आज जब पलटकर अपने पुराने हिट सॉन्ग की तरफ देखते हैं तो उन्हें अच्छा नहीं लगता। उन्होंने कहा कि उनके जो गाने इतने पॉप्युलर हुए, उन्हें सुनकर आज उनको हंसी आती है। हनी सिंह ने एक बातचीत में कहा कि उनके उन गानों में कोई तुक नहीं था, फिर भी लोग उन गानों को इंजॉय करते थे। उन्होंने बताया कि दो घंटे में म्यूजिक और रिकॉर्डिंग के साथ पूरा गाना तैयार कर दिया था।

टीवी मसाला

बबीता जी की नहीं बदली क्यूटनेस

मुंबई। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता अय्यर का रोल करने वाली मुनमुन दत्ता ने अपने पहले ऐड शूट से पुरानी फोटोज शेयर कीं। यह उनकी जर्नी की एक खूबसूरत याद दिलाता है और फैंस उन्हें देखकर चौंक गए हैं। एक्ट्रेस ने उस एक्साइटमेंट को भी याद किया जो उन्होंने उस समय अनुभव किया था। मुनमुन ने अपनी लाइफ के उस दौर को याद किया जब फ्लाइट से यात्रा करना बड़ी बात थी, क्योंकि मुंबई में रहना उनके लिए आसान नहीं था। 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फैंस का मनोरंजन करते हुए अपने पहले ऐड शूट से फोटोज पोस्ट कीं। काले कपड़े पहने और केरल के शांत बैकवाटर के बीच एक कार के साथ पोज देते हुए, 17 वर्षीय मुनमुन दत्ता ने अपनी खूबसूरती दिखाई। कैप्शन में उन्होंने लिखा, 'एक आर्काइव से।' उन्होंने आगे कहा, 'इंडस्ट्री में और मुंबई शहर में बिल्कुल नई थी और सबसे ज्यादा एक्साइटेड थी। एक दूसरा प्रॉफिट यह था कि मुझे फ्लाइट में किसी दूसरी खूबसूरत जगह की यात्रा करने का मौका मिला क्योंकि यह दूसरी बार था जब मुझे हवाई जहाज पर चढ़ने का मौका मिला।

कॉमेडियन राजीव ने आतंकवादी बनकर सबको चौंकाया...

मुंबई। 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' और बाकी के शोज में अपनी कॉमेडी के लिए जाने जाने वाले राजीव ठाकुर ने हाल ही में रिलीज हुई सीरीज 'आईसी 814: द कंधार हाईजैक' में अपनी एक्टिंग से सभी को चौंका दिया है। उनके दोस्तों कपिल शर्मा और अर्चना पूरन सिंह ने उनकी सीरीज देखी और उनकी परफॉर्मेंस की सराहना की। 1 सितंबर को, अर्चना पूरन सिंह ने सीरीज की एक झलक शेयर करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया और लिखा, 'जितनी तारीफ सुनी थी, उससे कहीं बेहतर हैं! एक अद्भुत घड़ी!!! शानदार काम किया, @राजीव ठाकुर।' अर्चना सिंह की स्टोरी का जवाब देते हुए, राजीव ठाकुर ने लिखा, 'बहुत बहुत धन्यवाद मैडम। मैं आपसे मार्क्स की उम्मीद कर रहा था, क्या इस बार 8 नहीं होंगे।' कपिल शर्मा ने भी राजीव ठाकुर की सराहना करते हुए लिखा, 'सीरीज में आप बहुत शानदार हैं, भाई @राजीव ठाकुर, यह सिर्फ एक शुरुआत है, बहुत कुछ आना बाकी है। प्यार और शुभकामनाएं हमेशा #icb14।' इस पर राजीव ठाकुर ने जवाब दिया, 'बहुत-बहुत धन्यवाद भाई...लव यू।'

अक्टूबर में शुरू होगी 'सन ऑफ सरदार 2' की शूटिंग

मुंबई। इन दिनों अजय देवगन अपनी आगामी कॉमेडी-एक्शन फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। फिल्म की शूटिंग अक्टूबर 2024 से शुरू होगी। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म की शूटिंग के दौरान संजय दत्त के भी शामिल होने की बात सामने आई है। फिल्म 'सन ऑफ सरदार' ने साल 2012 को रिलीज के बाद सिनेमाघरों में जमकर कमाई की थी। अब इस फिल्म का दूसरा पार्ट आ रहा है, जिसकी शूटिंग इस साल अक्टूबर के महीने में पंजाब में शुरू की जाएगी। वहीं माडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, संजय दत्त अक्टूबर 2024 में पंजाब में शूटिंग शुरू करने के लिए अजय देवगन और कलाकारों के साथ शामिल होंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वीजा संबंधी समस्याओं के कारण संजय को यूके की शूटिंग से बाहर होना पड़ा, जिससे फिल्म में उनकी भूमिका को लेकर कुछ बदलाव किए गए हैं, लेकिन उनकी भूमिका अभी भी महत्वपूर्ण होगी। प्रशंसक अजय और संजय की शानदार जोड़ी को फिर से स्क्रीन पर एक साथ देखने के लिए उत्सुक हैं।

कांतारा एक्टर संग बड़े पर्दे पर धमाका करेंगे एनटीआर....

मुंबई। साउथ सिनेमा के सुपरस्टार जूनियर एनटीआर हाल ही में कंतारा फेम एक्टर ऋषभ शेट्टी और केजीएफ डायरेक्टर प्रशांत नील के साथ कोल्लूर में स्थित मुकाम्बिका मंदिर के दर्शन करने गए थे। अब एक बार यह तिकड़ी स्पॉट हुई है। जूनियर एनटीआर एक बार फिर ऋषभ शेट्टी और प्रशांत नील के साथ मंदिर के दर्शन करने गए। तीनों को केशवनाथेश्वर मंदिर के दर्शन करते हुए देखा गया। इस दौरान वे अपने-अपने परिवार के साथ नजर आए। कंतारा एक्टर ऋषभ शेट्टी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि पहाड़ियों के बीच ऋषभ, प्रशांत नील और जूनियर एनटीआर पानी और पहाड़ी से घिरे मंदिर केशवनाथेश्वर मंदिर के दर्शन करने गए। तीनों ने भगवान शिव की पूजा की। सभी ने ट्रेडिशनल धोती के साथ कुर्ता और शर्ट डाली थी।

कहीं सूर्या ने इसलिए तो नहीं टाली 'कंगुवा' की रिलीज?

साउथ की 37 फिल्में अगस्त में रिलीज पर 35 हो गईं फ्लॉप!

मुंबई। सूर्या की फिल्म 'कंगुवा' को पहले 10 अक्टूबर को रिलीज होने वाली थी। बॉक्स ऑफिस पर यह फिल्म सुपरस्टार रजनीकांत की 'वेट्टैयन' से टकराने वाली थी। लेकिन अब सूर्या ने खुद ऐलान किया है कि उन्होंने अपनी फिल्म की रिलीज को टालने का फैसला किया है। सूर्या ने यह कहा है कि वह सुपरस्टार रजनीकांत की 50 साल की फिल्मी विरासत के सम्मान में ऐसा कर रहे हैं। यह एक वाजिब कारण हो सकता है। लेकिन गाहे-बगाहे एक सच यह भी है कि साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री इस वक्त बेहद बुरे दौर से गुजर रही है। बीते महीने अगस्त में साउथ में 37 फिल्में रिलीज हुईं, जबकि इनमें से सिर्फ 2 ही हिट या सुपरहिट हो सकीं।

बैक टू बैक फिल्में डिजास्टर

साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में बैक टू बैक फिल्में डिजास्टर हो रही हैं। धनुष से लेकर रवि तेजा जैसे सुपरस्टार्स को भी दर्शकों को रिझाने में खूब पापड़ बेलने पड़ रहे हैं। हालांकि, बॉलीवुड का हाल भी कमोबेश ऐसा ही है, लेकिन 'स्त्री 2' की बंपर सक्सेस ने हिंदी सिनेमाघरों को राहत की सांस दी है। जबकि साउथ में ऐसा कुछ होता हुआ नहीं दिख रहा है।

क्लैश का दिखता असर

'स्त्री 2' के साथ स्वतंत्रता दिवस पर दो और बड़ी फिल्में 'खेल खेल में' और 'वेदा' रिलीज हुई थीं। लेकिन इस क्लैश का असर यह हुआ कि जहां 'स्त्री 2' ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर बनी, बाकी की दो फिल्में डिजास्टर साबित हुईं। फिल्मी पंडितों का कहना है कि साउथ इंडस्ट्री भी इससे सबक ले रही है। कहीं ना कहीं इसी कारण कार्थी-प्रेम कुमार की फिल्म 'मेयाझगन' के ऑडियो लॉन्च पर सूर्या ने 'कंगुवा' की रिलीज पोस्टपोन करने का ऐलान किया।

15 अगस्त को रिलीज तीन फिल्में हुई सुपरफ्लॉप : जिस 15 अगस्त को रिलीज होकर 'स्त्री 2' ने बॉलीवुड में सफलता के नए रेकॉर्ड बनाए, उसी दिन साउथ की रिलीज 'डबल स्मार्ट' और 'मिस्टर बच्चन' बुरी तरह पिट गई। इनमें से हरीश शंकर और रवि तेजा की 'मिस्टर बच्चन' एक रीमेक थी। जबकि पुरी जगन्नाथ की 'डबल स्मार्ट' एक सीक्वल फिल्म। स्वतंत्रता दिवस पर ही आई 'तंगलान' भी फ्लॉप रही। हालांकि, आश्चर्यजनक रूप से 15 अगस्त को रिलीज हुई छोटे बजट की फिल्म 'आय' हिट रही। इसने दर्शकों को खूब हंसाया। निर्माता बनी वासु की इस फिल्म में नरने नितिन लीड रोल में हैं।

छोटे बजट की फिल्में हिट

अगस्त में रिलीज हुई साउथ की फिल्मों पर नजर डालें तो कुल मिलाकर 37 फिल्में रिलीज हुईं। इनमें 'डबल स्मार्ट' और 'मिस्टर बच्चन' जैसी बड़ी फिल्म भी थी, जिनसे बहुत उम्मीदें थीं, लेकिन दोनों असफल साबित हुईं। इन 37 में से सिर्फ दो फिल्में ऐसी रहीं, जिन्होंने सफलता का स्वाद चखा। खास बात यह कि दोनों ही फिल्में छोटे बजट की थीं।

पहले हफ्ते 8 फिल्में फ्लॉप

अगस्त के पहले सप्ताह में साउथ की एकसाथ 8 फिल्में रिलीज हुईं, जिनमें राज तरुण की 'तिरागबदरसामी', निर्देशक विजय भास्कर के बेटे उषा परिणयम, वरुण संदेश की 'विराजी', अश्विन की 'शिवम भजे' और अल्लू सिरीश की 'बडी' शामिल हैं। भारी प्रचार के बावजूद ये फिल्में दर्शकों को रिझा नहीं सकीं। जबकि अल्लू सिरीश की 'बडी' के लिए टिकट की कीमतें कम की गईं, लेकिन फिर भी कोई मदद नहीं मिली।

दूसरे हफ्ते में 10 में सिर्फ एक हिट

इसी तरह दूसरे सप्ताह में, 'सिम्बा', 'संघर्ष', 'कमेटी बॉयज', 'तूफान' और 'भवनम' सहित 10 फिल्में रिलीज हुईं। इनमें से निहारिका के बैनर तले बनी 'कमेटी कुर्रोलु' हिट रही। निहारिका ने इस फिल्म के लिए अपने सारे साम-दाम-दंड-भेद लगा दिए थे। 'कमेटी कुर्रोलु' की कहानी को दर्शकों ने खूब पसंद किया। जबकि विजय एंटनी की 'तूफान' और 'सिम्बा' जैसी अन्य फिल्में फ्लॉप रहीं।

पेरिस पैरालंपिक : नितेश और अंतिल को स्वर्ण, सुहास-तुलसीमति की चांदी, भारत ने जीते 9 पदक

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

पेरिस। भारत के कुमार नितेश ने सोमवार को यहां पुरुष एकल एसएल3 में अपना पहला पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीता। सुहास यथिराज, तुलसीमति ने रजत और मनीषा रामदास ने महिला एकल एसयू5 वर्ग में क्रमशः रजत और कांस्य पदक अपने नाम किए। इससे सोमवार को भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने ऐतिहासिक प्रदर्शन किया।

हरियाणा के 29 साल के नितेश ने फाइनल में कड़े मुकाबले में अपने मजबूत डिफेंस और सही शॉट चयन की मदद से टोक्यो पैरालंपिक के रजत पदक विजेता ग्रेट ब्रिटेन के डेनियल बेथेल को एक घंटे और 20 मिनट चले मुकाबले में 21-14, 18-21, 23-21 से हराया।

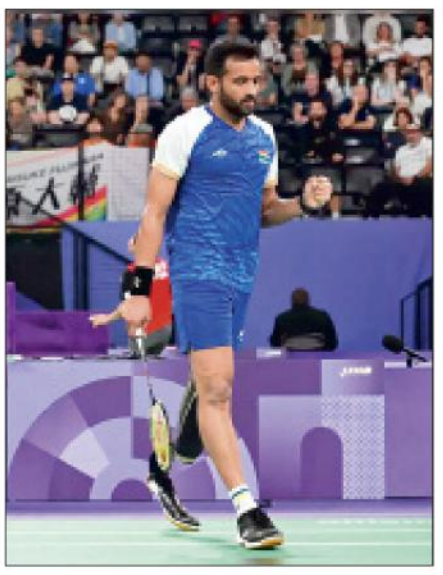

बैडमिंटन : दो रजत और एक कांस्य भी जीते

भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी सुहास यथिराज ने लगातार दूसरी बार रजत जीता जो पुरुष एकल एसएल4 स्पर्धा के फाइनल में सोमवार को फ्रांस के लुकास माजूर से सीधे गेम में हार गए। 2007 बैच के आईएएस अधिकारी 41 वर्ष के सुहास को एकतरफा मुकाबले में 9-21, 13-21 से पराजय झेलनी पड़ी। टोक्यो पैरालम्पिक में तीन साल पहले भी लुकास ने ही सुहास को हराया था। महिला एकल एसयू5 वर्ग के फाइनल में बाइस साल की शीर्ष वरीय तुलसीमति को चीन की गत चैंपियन यैंग कियू शिया के खिलाफ 17-21, 10-21 से हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। उन्नीस साल की दूसरी वरीय मनीषा ने डेनमार्क की तीसरी वरीय कैथरीन रोसेनग्रेन को 21-12, 21-8 से हराकर कांस्य पदक जीता।

सुमित को भालाफेंक एफ64 में स्वर्ण

भालाफेंक स्टार सुमित अंतिल अपना खिताब बरकरार रखने वाले पहले भारतीय पुरुष और दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए जब उन्होंने एफ64 वर्ग में रिकॉर्ड 70.59 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। सोनीपत के 26 वर्ष के विश्व रिकॉर्डधारी सुमित ने अपना ही 68.55 मीटर का पैरालंपिक रिकॉर्ड बेहतर किया जो उन्होंने तीन साल पहले टोक्यो में बनाया था। उनका विश्व रिकॉर्ड 73.29 मीटर का है।

शीतल और राकेश ने जीता कांस्य

भारतीय तीरंदाज शीतल देवी और राकेश कुमार की जोड़ी ने मिश्रित टीम कंपाउंड ओपन तीरंदाजी स्पर्धा के सेमीफाइनल में हारने की निराशा से उबरते हुए इटली के मातेओ बोनासिना और एलेओनोरा सारती को 156-155 से हराकर कांस्य पदक जीत लिया। भारत के लिए पैरालम्पिक में तीरंदाजी का पदक इससे पहले सिर्फ हरविंदर सिंह ने तीन साल पहले टोक्यो में (कांस्य) जीता था।

खबर संक्षेप

प्रियांश आर्य के आदर्श हैं विराट कोहली

नई दिल्ली। दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन कर रहे प्रियांश आर्य अपने आदर्श दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली की तरह 18 नंबर की जर्सी पहनते हैं और उन्हें उम्मीद है कि एक दिन आईपीएल में उनकी टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से खेलेंगे। मौजूदा टूर्नामेंट में एक ही ओवर में छह छक्के जड़ने वाले पहले खिलाड़ी बने प्रियांश ने कहा कि वह इंडियन प्रीमियर लीग की बड़ी नीलामी में उनके चुने जाने की संभावना को फिलहाल अधिक तवज्जो नहीं दे रहे। प्रियांश नौ पारियों में दो शतक की मदद से 602 रन बनाकर टीम के सबसे सफल बल्लेबाज हैं।

नागल डेविस कप मुकाबले से हटे

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष एकल खिलाड़ी सुमित नागल पीठ की चोट के कारण स्वीडन के खिलाफ आगामी डेविस कप मुकाबले से सोमवार को हट गए। नागल हाल ही में अमेरिकी ओपन में अपने पहले दौर के एकल मुकाबले में टालोन ग्रिक्सपुर से हार गए थे। भारत और स्वीडन के बीच स्टॉकहोम में इनडोर हार्ड-कोर्ट प्रतियोगिता 14-15 सितंबर को खेली जाएगी। नागल के हटने के बाद रिजर्व खिलाड़ी आर्यन शाह को मुख्य टीम में शामिल किया गया है जबकि मानस धमने को स्टैंडबाय पर रखा गया है।

पहले दौर के मैच नहीं खेल सकेंगे सूर्यकुमार

मुंबई। भारतीय बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव दाहिने हाथ में लगी चोट के कारण पांच सितंबर से शुरू हो रही दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के मैच नहीं खेल सकेंगे। सूर्यकुमार ने कोयंबटूर में तमिलनाडु क्रिकेट संघ एकादश के खिलाफ मुंबई के लिए बुची बाबू आमंत्रण टूर्नामेंट खेला था। वह चोट के कारण आखिरी दिन नहीं खेल सके। सूर्यकुमार को पांच से आठ सितंबर तक अनंतपुर में भारत डी के खिलाफ भारत सी के लिये खेलना है। वह बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी जाएंगे।

एम्बाप्पे ने रियल मैड्रिड के लिए दागा पहला गोल

मैड्रिड। किलियन एम्बाप्पे ने ला लीगा मैच में अपना पहला गोल दागा, जिससे रियल मैड्रिड ने सैंटियागो बर्नाबेउ में रियल बेटिस पर 2-0 की जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही रियल मैड्रिड तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। एम्बाप्पे ने अटलांटा के खिलाफ यूईएफए सुपर कप मैच में गोल किया था, लेकिन मैड्रिड के पहले तीन ला लीगा मैचों में गोल करने में नाकाम रहे थे, जिसके कारण उन्हें आलोचकों का सामना करना पड़ा था। दरअसल, 67वें मिनट में फ्रेंच सुपरस्टार ने करीब से गोल किया, जो कि मिडफील्डर फेडेरिको वाल्वरडे की शानदार बैक-हील पास की वजह से आसानी से हुआ।

टेनिस : पिछले 10 वर्षों से कोई खिलाड़ी नहीं बचा पाया खिताब

कोको बाहर, यूएस ओपन में लगातार खिताब नहीं जीत पाने का बना रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

गत चैंपियन कोको गॉफ का अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल में अपने खिताब का बचाव करने का अभियान चौथे दौर में ही थम गया। इस तरह से वर्ष के अंतिम ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में लगातार खिताब नहीं जीत पाने का पिछले 10 वर्षों से चला आ रहा सिलसिला जारी है। तीसरी वरीयता प्राप्त गॉफ ने 19 डबल फॉल्ट किए जिसका आखिर में उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा और वह एम्मा नवारो से 6-3, 4-6, 6-3 से हार गईं।

गॉफ का पिछली कुछ प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वह पेरिस ओलंपिक के तीसरे दौर में हार गई थी जबकि अमेरिकी ओपन की तैयारी के सिलसिले में खेले गए टूर्नामेंट में भी वह अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। उन्होंने हालांकि इसे सकारात्मक रूप में लिया। गॉफ ने कहा, 'भले ही कुछ परिणाम अनुकूल नहीं रहे लेकिन मैंने इस सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया। कितने ही खिलाड़ी हैं जो चौथे दौर में पहुंचाना चाहते हैं और ओलंपिक का हिस्सा बनना चाहते हैं। कई खिलाड़ी हैं जो ध्वजवाहक बनना चाहते हैं। यह इस परिप्रेक्ष्य में है।'

जोकोविच भी नहीं तोड़ पाए सिलसिला

यह परिणाम शुक्रवार को मौजूदा पुरुष चैंपियन नोवाक जोकोविच की तीसरे दौर में हार के बाद आया है। इसका मतलब है कि अमेरिकी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने में असफल रहने का पिछले कुछ वर्षों से चला आ रहा सिलसिला जारी रहेगा। अमेरिकी ओपन में पिछले 10 वर्ष से कोई भी खिलाड़ी लगातार दो बार खिताब नहीं जीत पाया है। महिला एकल में ऐसा करने वाली आखिरी खिलाड़ी सेरेना विलियम्स थी जिन्होंने 2012 से 2014 तक खिताब जीते थे। पुरुष वर्ग में ऐसा कारनामा रोजर फेडरर ने 2004 से 2008 तक किया था।

सबालेंका ने क्वार्टर में बनाई जगह

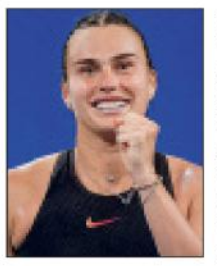

नवारो का अगला मुकाबला पाउला बडोसा से होगा, जिन्होंने वांग याफान के खिलाफ 6-1, 6-2 से जीत दर्ज की। दूसरी वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका भी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई हैं। उन्होंने एलिस मर्टेंस को 6-2, 6-4 से हराया। सबालेंका क्वार्टर फाइनल में झेंग किनवेन से भिड़ेगी, जिन्होंने सोमवार को सुबह दो बजकर 15 मिनट पर समाप्त हुए मैच में डोना वेकिच को 7-6 (2), 4-6, 6-2 से हराया।

पोपिरिन का थमा सफर

पुरुष वर्ग में जोकोविच को हराने वाले 28 वरीयता प्राप्त एलेक्सी पोपिरिन का सफर भी लंबा नहीं चल पाया और वह फ्रांसिस टियाफो से 6-4, 7-6 (3), 2-6, 6-3 से हारकर बाहर हो गए। लगातार तीसरी बार क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले टियाफो का अगला मुकाबला ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा जिन्होंने एंड्री रुबलेव को 6-3, 7-6 (3), 1-6, 3-6, 6-3 से हराया। टेलर फ्रिट्ज भी आगे बढ़ने में सफल रहे। उन्होंने तीन बार के ग्रैंड स्लैम फाइनलिस्ट कैस्पर रूड को 3-6, 6-4, 6-3, 6-2 से हराया।

बोपन्ना-एबडेन की पुरुष युगल जोड़ी को मिली हार

रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एब्डेन की तीसरे दौर में हार के साथ ही भारत की अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल में चुनौती समाप्त हो गई। बोपन्ना और एबडेन की दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी रविवार की रात को खेले गए मैच में मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोल्टेनी की अर्जेंटीना की 16वीं वरीयता प्राप्त जोड़ी से 66 मिनट में 1-6, 5-7 से हार गई।

गठिया से जूझ रहीं साइना दिसंबर तक संन्यास संभव

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत की चोटी की बैडमिंटन खिलाड़ी और पूर्व ओलंपिक कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल ने खुलासा किया है कि वह गठिया से जूझ रही हैं। उन्हें इस साल के अंत तक इस खेल में अपने भविष्य के बारे में फैसला करना होगा क्योंकि इस बीमारी के कारण उनके लिए सामान्य दिनों की तरह अभ्यास करना मुश्किल हो गया है। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाड़ी 34 वर्षीय नेहवाल ने लंदन ओलंपिक 2012 में कांस्य पदक जीता था। तीन बार ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाली नेहवाल ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनी थी। राष्ट्रमंडल खेल 2010 और 2018 की स्वर्ण पदक विजेता ने कहा कि वह अब इस तथ्य को नजरअंदाज नहीं कर सकती हैं कि उनका करियर अपने अंतिम चरण में है। दिग्गज निशानेबाज और पेरिस ओलंपिक में भारतीय दल के नेता गगन नारंग के 'हाउस ऑफ ग्लोरी' पॉडकास्ट में नेहवाल ने कहा, 'मेरे घुटने की स्थिति अच्छी नहीं है। मुझे गठिया है। मेरा कार्टिलेज खराब हो गया है। ऐसे में आठ-नौ घंटे तक खेल से जुड़े रहना बहुत मुश्किल है। ऐसी स्थिति में आप दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को कैसे चुनौती देंगे। मुझे किसी न किसी स्तर पर इसे स्वीकार करना होगा क्योंकि शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ अपेक्षित परिणाम हासिल करने के लिए दो घंटे का अभ्यास पर्याप्त नहीं है।'

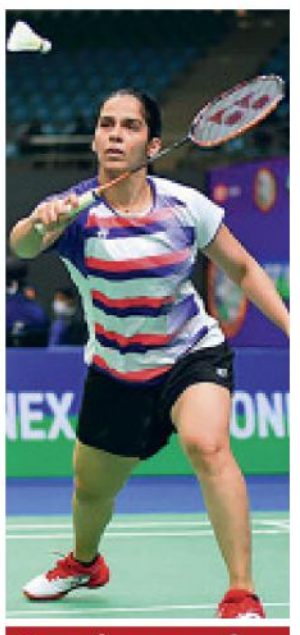

संन्यास के प्रभाव पर विचार

नेहवाल ने कहा कि वह अभी इस बात पर विचार कर रही हैं कि संन्यास लेने का उन पर क्या प्रभाव पड़ेगा, लेकिन उन्होंने स्वीकार किया कि आखिरकार उन्हें फैसला लेना होगा। वह भारतीय जनता पार्टी की सदस्य भी हैं। उन्होंने अंतिम टूर्नामेंट एक साल से भी अधिक समय पहले सिंगापुर ओपन के रूप में खेला था जिसमें वह शुरुआती दौर में हार कर बाहर हो गई थी। उन्होंने कहा, 'मैं संन्यास लेने के बारे में सोच रही हूं। यह पीड़ा दायक होगा क्योंकि यह एक आम आदमी की तरह की जाने वाली नौकरी की तरह है। जाहिर है, एक खिलाड़ी का करियर हमेशा छोटा होता है। मैंने नौ साल की उम्र में शुरुआत की थी। अगले साल मैं 35 वर्ष की हो जाऊंगी।'

धनुष का विश्व रिकॉर्ड, भारत ने पुरुष एयर राइफल में किया क्लीन स्वीप

बधिर निशानेबाजी विश्व चैंपियनशिप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने जर्मनी के हेनोवर में दूसरी विश्व बधिर निशानेबाजी चैंपियनशिप के दूसरे दिन पुरुष 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में दबदबा बनाया जब धनुष श्रीकांत, शौर्य सैनी और मोहम्मद मुर्तजा वानिया ने तीनों पदक देश की झोली में डाले। धनुष ने एक ही दिन में दो विश्व रिकॉर्ड बनाए। उन्होंने पहले क्वालीफिकेशन दौर में 632.7 के साथ विश्व रिकॉर्ड बनाया और फिर फाइनल में भी 251.7 अंक के साथ पिछले विश्व रिकॉर्ड को तोड़ा।

शौर्य ने फाइनल में 249.9 अंक के साथ रजत पदक जीता। मुर्तजा वानिया ने 226.2 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। पुरुष स्पर्धा के अलावा महिला वर्ग में भी भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया जब माहित संधू और नताशा जोशी ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते। भारत प्रतियोगिता के पहले दिन एक स्वर्ण, दो रजत और एक कांस्य पदक सहित कुल चार पदक जीत चुका है।

वांडरर्स पर होगा एसए20 के तीसरे सत्र का फाइनल

जोहानिसबर्ग। बेतवे एसए20 लीग के तीसरे सत्र का फाइनल वांडरर्स स्टेडियम पर आठ फरवरी को खेला जायेगा जबकि पहला मैच नौ जनवरी को दो बार के चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप और मुंबई इंडियंस केपटाउन के बीच सेंट जॉर्जस पार्क पर होगा। आयोजकों ने सोमवार को यहां लीग के कमिश्नर ग्रीम स्मिथ और सभी छह टीमों के खिलाड़ियों की मौजूदगी में तीसरे सत्र के कार्यक्रम की घोषणा की। यहां जारी विज्ञप्ति के अनुसार पिछले सत्र की उपविजेता डरबन सुपर जाइंट्स का सामना 10 जनवरी को डरबन के किंग्समीड स्टेडियम पर प्रिटोरिया कैपिटल्स से होगा। न्यूजीलैंड के स्टार बल्लेबाज केन विलियमसन पहली बार डरबन टीम के लिये खेलेंगे जबकि कैपिटल्स के तेज गेंदबाज एनरिच नॉर्किया चोट के कारण दूसरे सत्र से बाहर रहने के बाद वापसी कर रहे हैं।

पैरालंपिक ...

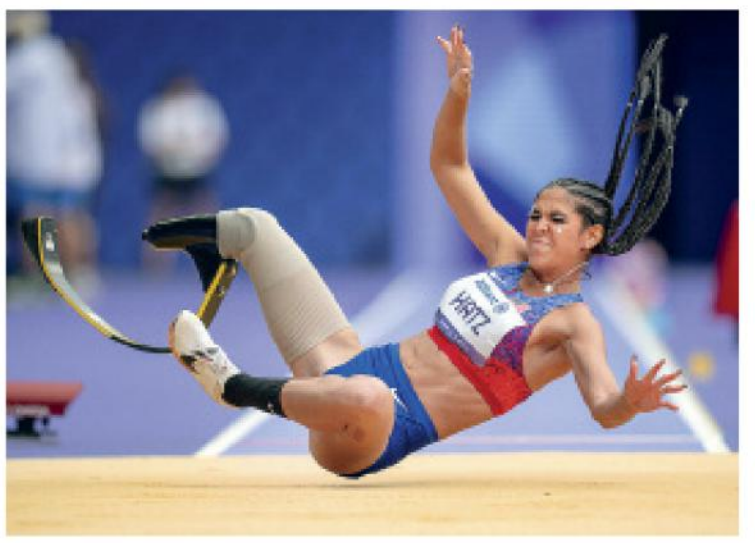

पेरिस। अमेरिका की बीट्रिज़ हेट्ज़ पिस ने पैरालिंपिक के दौरान स्टेड डी फ्रांस स्टेडियम में महिलाओं की लंबी कूद टी64 फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया।

नितिन, एंसी सोजन बने सर्वश्रेष्ठ एथलीट

बेंगलुरु। सेना की लंबी कूद की अनुभवी खिलाड़ी एंसी सोजन ने सोमवार को यहां राष्ट्रीय ओपन चैंपियनशिप के समापन दिन 6.71 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हुए स्वर्ण पदक के साथ सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट का पुरस्कार अपने नाम किया। तेईस साल की यह खिलाड़ी दिग्गज अंजू बॉबी जॉर्ज के 2002 में बनाए गए 6.74 मीटर के मीट रिकॉर्ड को तोड़ने से मामूली अंतर से चूक गईं। उन्होंने स्वर्ण पदक जीतने के बाद कहा, 'मेरा 6.71 मीटर का स्वर्ण जीतने वाला प्रदर्शन 2025 सत्र की तैयारी के लिए एक अच्छा मानदंड होगा।' तमिलनाडु के नितिन इस आयोजन के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने गए। उन्होंने 200 मीटर दौड़ को 20.66 सेकेंड के मीट रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता।

इंटरकांटिनेंटल कप : नौ सितंबर तक होगा टूर्नामेंट

मार्केज की देखरेख में भारत का पहला मैच आज

एजेंसी ▶▶ हैदराबाद

विश्व कप क्वालीफायर में निराशा को पीछे छोड़ते हुए भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम मंगलवार को यहां इंटरकांटिनेंटल कप के पहले मैच में जब मॉरीशस के खिलाफ मैदान पर उतरेगी।

भारत की कोशिश नए मुख्य कोच मोनालो मार्केज के नेतृत्व में दमदार आगाज करने की होगी। भारतीय पुरुष टीम 16 साल में पहली बार तेलंगाना की राजधानी पहुंची है। यह शहर तीन से नौ सितंबर तक इंटरकांटिनेंटल कप के लिए मॉरीशस और सीरिया की मेजबानी करेगा। मार्केज ने इस टूर्नामेंट को एएफसी एशियन कप क्वालीफायर जैसे भविष्य के बड़े टूर्नामेंटों की तैयारियों के लिए 'ड्रेस रिहर्सल' करार दिया है। मार्केज का मानना है कि वह सत्र के शुरू होने के बाद टीम की गुणवत्ता का बेहतर आकलन कर पायेंगे। स्पेन के इस कोच ने कहा, 'सितंबर, अक्टूबर और नवंबर में इस तरह के मैचों को खेलने का मुख्य लक्ष्य मार्च में खेले जाने वाले एशियाई कप क्वालीफायर जैसे अहम आयोजन के लिए अपनी तैयारियों को मजबूत करना है। फीफा के मौजूदा सत्र का पहला विंडो हमारे लिए थोड़ा मुश्किल है क्योंकि हम अब भी सत्र पूर्व वाली स्थिति में है। कुछ क्लबों ने डूरंड कप में अपनी रिजर्व टीम के साथ भाग लिया। हम सभी खिलाड़ियों की शारीरिक स्थिति के बारे में ठीक से नहीं जानते हैं। फीफा के अगले विंडो में हालांकि ऐसा नहीं होगा क्योंकि उस समय आईएसएल का आयोजन हो रहा होगा।' इंटरकांटिनेंटल कप के मैच यहां के जीएमसी बालयोगी एथलेटिक स्टेडियम में खेले जाएंगे।

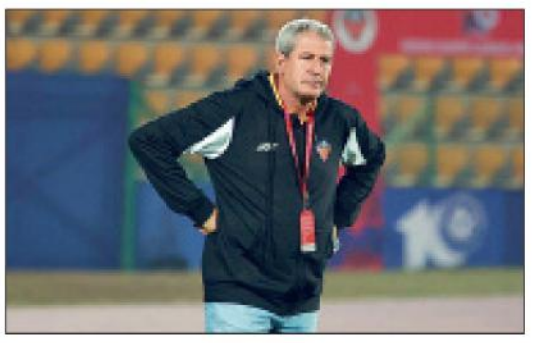

भारत का लक्ष्य एशिया कप

भारतीय टीम का दीर्घकालिक लक्ष्य 2027 एएफसी एशियाई कप के लिए क्वालिफिकेशन हासिल करना है जिसका आगाज अगले साल मार्च में होगा। मार्केज ने आगामी तीन अंतरराष्ट्रीय मैच में अच्छे परिणाम प्राप्त करने के महत्व पर जोर दिया है ताकि एएफसी एशियाई कप के लिए दिसंबर में होने वाले ड्रॉ में भारतीय टीम को पॉट एक में जगह मिल पाए। मार्केज के लिए हालांकि यह आसान नहीं होगा क्योंकि उन्हें टूर्नामेंट से पहले खिलाड़ियों के साथ सिर्फ दो अभ्यास सत्र करने का मौका मिला है।

बांग्लादेश जीत से 143 रन दूर हसन-राणा ने झटके 9 विकेट

एजेंसी ▶▶ रावलपिंडी

युवा तेज गेंदबाजों हसन महमूद और नाहिद राणा ने आपस में नौ विकेट साझा कर के सोमवार को दूसरे टेस्ट के चौथे दिन पाकिस्तान की दूसरी पारी को 172 रन पर समेट दिया, जिससे बांग्लादेश के पास दो मैचों की श्रृंखला में सूपड़ा साफ करने का मौका है। खराब रोशनी और फिर बारिश के कारण दिन के आखिरी सत्र में सिर्फ एक ओवर का खेल हो गया। बांग्लादेश ने जीत के लिए 185 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सात ओवरों में बिना किसी नुकसान के 42 रन बना लिए थे। मैच के आखिरी दिन अब टीम को जीत के लिए 143 रन की जरूरत है और उसके सभी विकेट बचे हुए है।

बांग्लादेश की टीम अगर इस मैच को जीतने या ड्रॉ कराने में सफल रही तो यह टेस्ट श्रृंखला में पाकिस्तान के खिलाफ उसकी पहली जबकि विदेशी सरजमीं द्विपक्षीय श्रृंखला में दूसरी जीत होगी। टीम इससे पहले 2009 में वेस्टइंडीज में टेस्ट श्रृंखला अपने नाम करने में सफल रही थी। पाकिस्तान के खिलाफ मौजूदा श्रृंखला के पहले मैच को 10 विकेट से जीतने वाले बांग्लादेश के लिए सोमवार को 21 साल के राणा ने शीर्ष क्रम को झकझोरा जबकि 24 साल के महमूद ने मध्यक्रम और निचले क्रम के बल्लेबाजों को चलता कर टीम के लिए अच्छा मौका बनाया है।

2 से 4 सितंबर तक फ्रांस में किया जाएगा इसका आयोजन

'वरुण' के 22वें संस्करण में भाग लेने पहुंची भारतीय नौसेना, पी-8 आई विमान पहली बार यूरोप में हुआ तैनात

भारतीय नौसेना का पी-8आई विमान फ्रांसीसी नौसेना के साथ 'वरुण' अभ्यास में भाग लेने के लिए फ्रांस पहुंचा दोनों नौसेनाओं के बीच गहन तालमेल और अंतर-संचालन को रेखांकित करते हुए उन्नत सामरिक अभ्यास शामिल होंगे।

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी संघर्षों से उत्पन्न जटिल परिस्थितियों के मध्य भारत और फ्रांस की नौसेनाओं के बीच भूमध्य सागर में द्विपक्षीय युद्धाभ्यास 'वरुण-2024' की शुरुआत हो गई है। इसमें भारतीय नौसेना का लंबी दूरी का समुद्री निगरानी विमान पी8आई भाग ले रहा है। जो सोमवार को फ्रांस के 125 इस्ट्रेल-ले-ट्यूब वायु सैन्य अड्डे पर उतरा। यह पहला ऐसा मौका है जब नौसेना के पी8आई विमान ने अपनी रणनीतिक तैनाती के दौरान यूरोप की धरती को छुआ है। नौसेना के प्रवक्ता कमांडर विवेक मधवाल ने 2 सितंबर को एक बयान में बताया कि वरुण युद्धाभ्यास 2 से 4 सितंबर तक चलेगा। इसमें दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच भूमध्य सागर में समन्वय और अंतर-संचालनीयता को बढ़ावा देने के लिए उन्नत सामरिक अभ्यास किया जाएगा।

इस वर्ष दोनों नौसेनाओं के बीच वरुण युद्धाभ्यास का 22वां संस्करण आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले इसका 23वां संस्करण पिछले साल भारत के अरब सागर में आयोजित किया गया था।

छह दशक बाद हुई यह तैनाती

उन्होंने बताया कि पी-8आई की यह तैनाती नौसेना के एलीज विमान द्वारा हायरेस हवाईअड्डे पर उड़ान भरने के 63 साल बाद की गई है। जो आईएनएस विक्रांत द्वारा संचालित होता था। वरुण युद्धाभ्यास में भाग लेने के लिए नौसेना का एक जंगी युद्धपोत आईएनएस तबर पहले ही टूलॉन पहुंच गया है। मालूम हो कि दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय नौसैन्य युद्धाभ्यास की शुरुआत वर्ष 1993 में हुई थी। जिसे 2001 में वरुण नाम दे दिया गया था।

समुद्री सुरक्षा व स्वतंत्रता के लिए साझी प्रतिबद्धता

रक्षा मंत्रालय के द्वारा जारी सूचना के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों में इसका दायरा बढ़ता ही जा रहा है, यह अभ्यास एक-दूसरे की सर्वोत्तम प्रक्रियाओं से सीखने का अवसर प्रदान करता है। यह अभ्यास समुद्र में आपसी सहयोग को बढ़ावा तथा दोनों नौसेनाओं के बीच परिचालन-स्तर की बातचीत की सुविधा भी प्रदान करेगा जो वैश्विक समुद्री कॉमन्स की सुरक्षा व स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के लिए साझी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

खबर संक्षेप

रूस ने यूक्रेन के 150 से अधिक ड्रोन मार गिराए

मॉस्को। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी वायु रक्षा प्रणालियों ने रात भर में 158 ड्रोन मार गिराए, जिनमें से दो ड्रोन मॉस्को शहर में और नौ मॉस्को के आसपास के क्षेत्र में नष्ट किए गए। यूक्रेन की ओर से बीती रात किए गए ड्रोन हमलों को उसकी ओर से अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला बताया जा रहा है। कुर्स्क क्षेत्र में 46 ड्रोन नष्ट किए गए, जहां यूक्रेन ने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद से रूसी सरजमीं पर सबसे बड़े आक्रमण के तहत हाल के सप्ताहों में अपने सैनिकों को भेजा है।

पंजाबी सिंगर एपी ढिल्लों के घर फायरिंग

ओटावा। पंजाबी गायक अमृतपाल सिंह उर्फ एपी ढिल्लों के घर के बाहर गोलीबारी हुई है। यह घटना कनाडा में वैंकूवर में बीते दिन रविवार को हुई और लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के सदस्य रोहित गोदारा नाम के शख्स ने कथित तौर पर इस घटना की जिम्मेदारी ली है। फिलहाल पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है। इस घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। अमृतपाल सिंह ढिल्लों, जिन्हें एपी ढिल्लों के नाम से जाना जाता है, एक लोकप्रिय इंडो-कैनेडियन रैपर हैं।

सिंघवी ने कहा- राहुल ही बनेंगे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य अभिषेक मनु सिंघवी ने सोमवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि वह बेहद गंभीरता के साथ कई मुद्दों पर काम कर रहे और समर्पण दिखा रहे हैं। कांग्रेस की सरकार बनने पर राहुल गांधी प्रधानमंत्री पद के लिए शत प्रतिशत हकदार होंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या राहुल गांधी लोकसभा में विपक्ष के नेता की जिम्मेदारी संभालेंगे और क्या वह उन्हें भविष्य के प्रधानमंत्री के रूप में देखते हैं, चार बार के सांसद ने कहा, 'मुझे भूल जाइए, भाजपा के मित्रों से पूछिए। आप सब ट्रोलिंग देखते थे।

3 से 5 सितंबर तक होगी प्रधानमंत्री की सिंगापुर और ब्रुनेई की यात्रा

पीएम की सिंगापुर, ब्रुनेई यात्रा से 'सेमीकंडक्टर' और 'हाइड्रोकार्बन' क्षेत्र में खुलेगी भारत की राह!

पीएम मोदी सिंगापुर यात्रा के दौरान समुद्री सुरक्षा पर चर्चा करेंगे। इसमें संचार की समुद्री लाइनें सुरक्षित, संरक्षित और मुक्त बनाए रखना तथा सुरक्षा जैसे काफी महत्वपूर्ण विषय शामिल हैं।

नई दिल्ली

दुनिया के कुछ हिस्सों में जारी युद्ध और दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामकता की वजह से बने हुए चिंताजनक हालातों के बीच मंगलवार से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रुनेई और सिंगापुर के तीन दिवसीय आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। इसमें द्विपक्षीय वार्ता में शामिल 'सेमीकंडक्टर' और 'हाइड्रोकॉर्बन' के मुद्दे पर हर किसी की निगाहें टिकी रहेंगी। रक्षा और विज्ञान क्षेत्र के विशेषज्ञ बताते हैं कि तकनीक द्वारा संचालित आधुनिक डिजिटल विश्व की कल्पना सेमीकंडक्टर चिप और हाइड्रोकार्बन के बिना संभव नहीं है। अमेरिका, रूस और चीन जैसे विकसित देश इस मामले में काफी आगे हैं।

फाइल फोटो

बल्ब से लेकर मिसाइलों तक उपयोगी

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के पूर्व वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रवक्ता डॉ.रवि गुप्ता ने बताया कि सेमीकंडक्टर चिप आधुनिक समय का वो आविष्कार है। जिसमें महारत हासिल किए बिना कोई देश सही मायने में अपनी आजादी का अनुभव नहीं कर पाएगा और उसे हर वक्त इनके लिए बाकी देशों पर ही निर्भर रहना पड़ेगा। वर्तमान में सेमीकंडक्टर चिप एलईडी बल्ब से लेकर कंप्यूटर, संचार उपकरणों (मोबाइल), गाड़ियों, सैटेलाइट्स, पावर प्लांट्स और मिसाइलों तक में इस्तेमाल की जाती है। भारत ने 1947 से लेकर आज तक इस क्षेत्र के विकास पर गंभीरता से ध्यान ही नहीं दिया है। इसलिए आज भी हम आयात पर निर्भर हैं। चिप का महत्व कोरोना महामारी काल में दुनिया के सामने और खुलकर सामने आ गया था।

आज से ब्रुनेई और सिंगापुर की तीन दिवसीय यात्रा पर रहेंगे प्रधानमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार 3 सितंबर से लेकर 5 सितंबर तक बुनेई और सिंगापुर की तीन दिवसीय यात्रा पर रहेंगे। इसमें उनकी दोनों देशों के शीर्ष सरकारी और राजनीतिक नेतृत्व के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय बैठकें होंगी। बुनेई के सुल्तान हाजी हसनल बोल्कियाह और सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वांग ने पीएम को इन यात्राओं के लिए विशेष तौर पर आमंत्रित किया है। यह जानकारी सोमवार को पीएम की यात्रा के पूर्व में विदेश मंत्रालय में आयोजित की गई मीडिया ब्रीफिंग में सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने दी। उन्होंने बताया कि दोनों देशों में पीएम की यात्रा के दौरान आपसी सहयोग से जुड़े हुए विभिन्न पहलुओं, साझेदारी के विकास और वर्तमान में क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्तर पर बनी हुई चुनौतियों के मुद्दे पर व्यापक आधार पर चर्चा की जाएगी। यहां बता दें कि इस साल के मध्य में लोकसभा चुनाव संपन्न होने के बाद लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद पीएम मोदी की बुनेई और सिंगापुर की यह पहली यात्रा होगी। इसमें उनके साथ भारत से एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होगा।

जम्मू में सुंजवान मिलिट्री कैंप पर हमला

आतंकियों की गोलीबारी में सेना का एक जवान शहीद

नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में 18 सितंबर से शुरू हो रहे विधानसभा चुनाव से पहले सोमवार को जम्मू के बाहरी इलाके में स्थित सेना के सुंजवान मिलिट्री कैंप पर आतंकियों ने गोलीबारी की। इसमें सेना का एक जवान शहीद हो गया है। रक्षा प्रवक्ता ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आतंकवादियों ने 2 सितंबर की सुबह करीब 10 बजकर 50 मिनट पर मिलिट्री कैंप के बाहर बनी संतरी की पोस्ट पर गोलीबारी की। इसमें सेना का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया था। उसे जरूरी उपचार के लिए स्थानीय सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया था। आतंकियों की धरपकड़ के लिए सेना व अन्य सुरक्षा एजेंसियों द्वारा इलाके में बड़े पैमाने पर सघन तलाशी अभियान चलाया जा रहा है।

फिलहाल आतंकियों से सुरक्षाबलों का कोई आमना-सामना नहीं हुआ है। वहीं, सूत्रों ने बताया कि आतंकियों की संख्या करीब दो से तीन हो सकती है। इन्होंने कैंप की संतरी पोस्ट में तैनात जवान पर 200 मीटर की दूरी से गोलियां चलाई थीं।

2018 में भी कैंप पर हुआ था हमला

अधिकारियों ने बताया कि कैंप पर हुई अचानक गोलीबारी से तुरंत हरकत में आए स्थानीय पुलिस का विशेष अभियान समूह (एसओजी) सेना के साथ आतंकियों की तलाश से जुड़े अभियान में शामिल हो गया। सुंजवान मिलिट्री कैंप के इलाके में सुरक्षा के लिए सेना की 36 इंफेंट्री बिगेड तैनात है। ज्ञात हो कि 2018 में भी आतंकवादियों ने सुंजवान मिलिट्री कैंप पर हमला किया था। इसमें 6 जवान शहीद हो गए थे और एक नागरिक की मौत हो गई थी।

26 हजार करोड़ में की जाएगी इन इंजनों की खरीद

सीसीएस ने दी एचएएल से सुखोई विमानों के लिए 240 एरो इंजनों की खरीद को मंजूरी

नई दिल्ली

पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के मध्य जारी विवाद के बीच सोमवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल की सुरक्षा मामलों की समिति (सीसीएस) ने भारतीय वायुसेना के अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमान सुखोई-30एमकेआई के लिए हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) से 240 एरो इंजनों की खरीद से जुड़े एक महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान कर दी है। इस पर कुल 26 हजार करोड़ रुपए की लागत आएगी। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी। इसमें बताया कि इस लागत धनराशि में सभी तरह के टैक्स और ड्यूटी शामिल हैं।

आठ साल में वायुसेना को मिलेंगे सभी इंजन

मंत्रालय ने बताया कि एरो इंजनों की वायुसेना को आपूर्ति सालभर बाद से शुरू हो जाएगी और आठ साल में यह सभी एचएएल की तरफ से वायुसेना को सौंप दिए जाएंगे। इनके शामिल होने से वायुसेना की रणनीतिक अभियान क्षमता और देश की रक्षा तैयारी को काफी मजबूती मिलेगी। अनुमानित आंकड़ों के हिसाब से वर्तमान में वायुसेना के जंगी बेड़े में कुल करीब 280 सुखोई लड़ाकू विमान मौजूद हैं। जो चीन और पाकिस्तान से लगी देश की सीमाओं की सुरक्षा में चौबीसों घंटे तैनात हैं। शुरुआत में भारत ने इन्हें रूस से खरीदा था। लेकिन बाद में तकनीक हस्तांतरण (टीओटी) के आधार पर इनका एचएएल में उत्पादन किया जाने लगा।

फिलीपींस में भारी बारिश ने मचाई तबाही

मनीला। उत्तरी फिलीपींस में हल्के तूफान के बाद भारी बारिश हुई है। बारिश से कई इलाकों में बाढ़ आ गई और अधिकारियों ने स्कूलों को बंद कर दिया। बाढ़ की वजह से सरकारी कामकाज भी स्थगित करने पड़े हैं। इस दौरान मरीकिना नदी के किनारे रह रहे हजारों लोगों को नाव से सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जा रहा है।

मंत्री हुसैन ने कहा- जो हमारे हित में नहीं उस पर विचार करेंगे

भारत-बांग्लादेश में हुए समझौते रद्द कर सकती है यूनुस सरकार

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार में विदेश मंत्री तौहीद हुसैन का कहना है कि अगर उनके देश की अदालत आदेश जारी करे तो वो पूर्व पीएम शेख हसीना को भारत से वापस लाने की कोशिश करेंगे।

एजेंसी ▶▶ ढाका

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के विदेश सलाहकार तौहीद हुसैन ने कहा कि ढाका, नई दिल्ली के साथ हुए समझौता ज्ञापनों की समीक्षा कर सकती है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार को ये लगता है कि शेख हसीना सरकार के दौरान भारत के साथ किए गए समझौते बांग्लादेश के लिए फायदेमंद नहीं हैं तो इन्हें रद्द किया जा सकता है। वहीं, पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण के सवाल पर विदेश सलाहकार ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो सरकार इसकी मांग कर सकती है। शेख हसीना इस साल जून में भारत के दौरे पर आई थीं। इस दौरान भारत और बांग्लादेश के बीच 10 समझौते पर हस्ताक्षर हुए थे। इसमें सबसे चर्चित रेल ट्रांजिट समझौता था।

इस समझौते के मुताबिक भारत, बांग्लादेश की जमीन का इस्तेमाल कर रेल से यात्रियों और सामानों को एक से दूसरे हिस्से में भेज सकता है। इससे बांग्लादेश को अपना माल नेपाल और भूटान भेजने में फायदा होगा।

इसमें दोनों देशों के लिए समय और लागत दोनों बचेंगे। इस समझौते के मुताबिक भारत, बांग्लादेश की जमीन का इस्तेमाल कर रेल से यात्रियों और सामानों को एक से दूसरे हिस्से में भेज सकता है।

खालिदा जिया की पार्टी बोली- डील से देश की संप्रभुता को खतरा

भारत से समझौता होने के बाद खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी बीएनवी ने इसकी आलोचना करनी शुरू कर दी। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक बीएनवी नेताओं ने आरोप लगाना शुरू कर दिया कि इस डील से बांग्लादेश की आजादी और संप्रभुता को खतरा हो सकता है। उनका कहना था कि भारत सरकार ट्रेन से नॉर्थ ईस्ट राज्यों में हथियार और गोला-बारूद भेज सकती है। भारत की ट्रेनें अगर देश में घुसती हैं तो सिक्योरिटी का खतरा बना रहेगा।

हसीना ने कहा था- इससे दोनों देशों को फायदा

काफी आलोचना के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री हसीना ने कहा था कि बांग्लादेश और भारत के बीच पहले से ट्रांजिट डील है। भारत की बसे त्रिपुरा से ढाका होते हुए कोलकाता जाती हैं। इससे देश को क्या नुकसान पहुंचा? अब बस की तरह ही त्रिपुरा से कोलकाता ट्रेनें जाएंगी इससे हमें क्या नुकसान पहुंचेगा? हसीना ने कहा था कि यह डील लोगों की भलाई के लिए हुआ है। इससे दोनों देशों के बीच बिजनेस आसान होगा। लोग, पढ़ाई और इलाज के लिए भारत जाते हैं। उनको फायदा होगा। हसीना ने यूरोप का भी हवाला दिया था। उन्होंने कहा कि वहां कहीं कोई सीमा नहीं है।

ट्रेनों की आवाजाही बैन

शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से भारत ने बांग्लादेश जाने वाली सभी ट्रेन सुविधाओं पर प्रतिबंध लगा दिया है। बैन से पहले भारत और बांग्लादेश के बीच पांच रूटों पर ट्रेनें चलती थीं। इनमें से 3 यात्रियों के लिए और 2 माल ढुलाई के लिए इस्तेमाल में लाई जाती थीं। सीमा पर पहुंचने के बाद ट्रेन को बांग्लादेशी इंजन लेकर ही बांग्लादेश में एंट्री लेना होता था। नई डील के बाद भारत की ट्रेनें बिना रोक-टोक के बांग्लादेश को पार कर सकती हैं।

पायलट सुरक्षित, कोई जनहानि नहीं

बाड़मेर में वायुसेना का मिग-29 प्लेन हुआ क्रैश, सीओआई के आदेश

नई दिल्ली

राजस्थान के बाड़मेर में सोमवार रात एक बड़ा हादसा हुआ। यहां कवास के पास भारतीय वायुसेना का फाइटर प्लेन मिग-29 क्रैश हो गया। फाइटर प्लेन क्रैश होने की सूचना मिलते ही नागाणा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। वायुसेना की तरफ से बयान जारी कर बताया गया कि हादसे में पायलट सुरक्षित है।

भारतीय वायुसेना ने 'एक्स' पर ट्वीट कर बताया कि, बाड़मेर सेक्टर में रूटीन नाइट ट्रेनिंग मिशन के दौरान वायुसेना के मिग-29 फाइटर प्लेन में गंभीर तकनीकी खराबी आ गई, जिसके कारण पायलट को विमान से बाहर निकलना पड़ा। पायलट सुरक्षित है और किसी तरह के जान-माल के नुकसान की खबर नहीं है। कोर्ट ऑफ इंक्वायरी (सीओआई) के आदेश दे दिए गए हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)